मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 201
बुधवार, 04 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

# लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का जोरदार हंगामा, नारेबाजी के बाद कार्यवाही स्थगित

**नई दिल्ली, 03 फरवरी।** मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद संसद के निचले सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की अध्यक्षता करते हुए सांसद कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों से सदन में प्रदर्श न उठाने को कहा। लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच टेनेटी ने सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा का सत्र, जो सुबह 11 बजे शुरू हुआ था, इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाने के बाद पहले 11:08 बजे स्थगित कर दिया गया था।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह प्रस्ताव पेश किया कि सदन 2 फरवरी को सदन में प्रस्तुत व्यापार सलाहकार समिति की चौदहवीं रिपोर्ट से सहमत हो। यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया। कार्यवाही की शुरूआत कांग्रेस नेता सुरुपसिंह हिरया नायक के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जिनका निधन दिसंबर 2025 में हुआ था। आज सुबह, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया और भारतीय उद्योगों और किसानों के लिए इसके प्रतिकूल परिणामों का दावा किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। अपने स्थगन प्रस्ताव में केसी वेणुगोपाल ने कहा कि समझौते का विवरण संसद के समक्ष नहीं रखा गया है। आज संसद सत्र से पहले, भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ₹जय मोदी₹, ₹वंदे मातरम₹ और ₹भारत माता की जय₹ के नारे लगाकर बधाई दी, जब प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में एनडीए संसदीय दल की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार समझौता किया।

संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को चल रहे बजट सत्र के दौरान 'राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव' पर चर्चा जारी रहेगी। लोकसभा में यह प्रस्ताव सरबानंदा सोनोवाल ने पेश किया और तेजस्वी सूर्या ने इसका समर्थन किया।

# बिहार बजट : वित्त मंत्री ने पेश किया 34 लाख करोड़ का लेखा-जोखा

**पटना।** बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र यादव ने राज्य विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश किया। बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का 34 लाख करोड़ रुपये का बजट पिछले वर्ष के 31 लाख करोड़ रुपये के बजट से काफी अधिक है। इसमें से 7724 करोड़ रुपये सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यादव ने यह भी कहा कि 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए कर राजस्व लगभग 65,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

बिजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार के न्याय के साथ विकास के आदर्श वाक्य के अनुरूप, सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 7724 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बजट ईमान, ज्ञान, विज्ञान, अरमान और सम्मान पर केंद्रित होकर तैयार किया गया है। यादव ने पिछले साल

नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई बहुचर्चित मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का भी जिक्र किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसने सत्ताधारी एनडीए को निर्णायक जीत दिलाई। मंत्री ने कहा कि 1.56 करोड़ महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। जल्द ही, उन महिलाओं को 2 लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे जिन्होंने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया होगा। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य का बजट पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है और कहा कि इस वर्ष का बजट राज्य को और आगे ले जाएगा। बिहार की प्रगति का उल्लेख करते हुए संजय सरावगी ने कहा कि राज्य देश में सबसे तीव्र आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में पेश किए गए बजटों में लगातार बजटीय प्रावधानों में वृद्धि देखी गई है। 2005 में यह 23,000 करोड़ रुपये था; पिछले बजट में यह बढ़कर 3,17,000 करोड़ रुपये हो गया और आज वित्त मंत्री बिहार का बजट पेश करेंगे। निसंदेह, यह बजट बिहार को और भी आगे ले जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कल प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि बिहार देश के अग्रणी राज्यों में से एक है, जो सबसे तीव्र आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है। किसी राज्य के तीव्र विकास के लिए विचार किए गए सभी मापदंडों पर बिहार आर्थिक सर्वेक्षण में सबसे आगे है।

# सुप्रीम कोर्ट की मेटा-व्हाट्सएप को सीधी चेतावनी, संविधान मानें या भारत छोड़ दें

**नई दिल्ली, 03 फरवरी।** सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की डेटा साझाकरण प्रथाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह सुनवाई भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (उउक) के उस आदेश के विरुद्ध दायर अपीलों के एक समूह की सुनवाई के दौरान हुई, जिसमें व्हाट्सएप की 2021 की स्वीकार करो या छोड़ दो। 4 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने उउक के जुमार्ने को बरकरार रखा, लेकिन नियामक द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को पलटते हुए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए डेटा साझाकरण की आंशिक अनुमति दी। इसके बाद, 15 दिसंबर, 2025 को एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें अनिवार्य किया गया कि विज्ञापन से संबंधित डेटा साझाकरण जारी रह सकता है, लेकिन सभी प्रकार के डेटा साझाकरण, चाहे वह विज्ञापन से संबंधित हो या गैर-विज्ञापन से, उपयोगकताओं को स्पष्ट ऑप्ट-आउट अधिकार प्रदान करना आवश्यक है।

पीठ ने ऑप्ट-आउट तंत्रों की प्रभावशीलता पर भी चिंता व्यक्त की, यह देखते हुए कि तमिलनाडु या बिहार के किसी दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला कोई सड़क विक्रेता या व्यक्ति गोपनीयता नीतियों में प्रयुक्त ₹चालाक भाषा₹ को नहीं समझ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि उपभोक्ताओं का व्यावसायिक शोषण किया जा रहा है और मौन उपभोक्ताओं को आवाजहीन व्यवस्था का शिकार बताया। न्यायालय ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता ऐसे प्लेटफार्मों के आदी हो गए हैं और वास्तविक विकल्प यह नहीं है कि उन्हें चेतावनी दी गई थी या नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें शर्तों को स्वीकार करने या सेवा छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इस बात पर जोर देते हुए कि निजता के अधिकार से समझौता नहीं किया जा सकता, पीठ ने कहा कि वह किसी भी नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होने देगी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह देश की निजता पर चोरी करने का एक घटिया तरीका है। इस देश में निजता के अधिकार की इतनी सख्ती से रक्षा की जाती है कि हम आपको इसका उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। न्यायालय ने अंतरिम निर्देश जारी करने के उद्देश्य से मामले की सुनवाई 9 फरवरी को स्थगित कर दी। वरिष्ठ अधिवक्ताओं के संयुक्त अनुरोध पर, भारत संघ को प्रतिवादी बनाया गया है। संघ अपना प्रतिवाद भी दाखिल कर सकता है।

# अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र को घेरा

**लखनऊ, 03 फरवरी।** समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी।

पर एक पोस्ट में यादव ने लिखा कि भाजपा ने फिर 'किसानों' पर हमला किया। भाजपा सरकार, जवाब दोः दबाव क्या है? अमेरिकी कृषि उत्पादों और अनाजों के लिए भारत के बाजार खोलना हमारे देश की 70% आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती और कृषि पर निर्भर है। भाजपा सदस्य और उनके सहयोगी स्वतंत्रता से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, और आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों को जनता के बीच जाकर यह बताना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था के साथ विश्वासघात करने के बदले उन्होंने कितना कमीशन लिया है।

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां न केवल किसानों को नुकसान पहुंचाएंगी बल्कि खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों, मुनाफाखोरी को बढ़ावा देने और अंततः किसानों को अपनी जमीन बड़ी कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर करके निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को भी प्रभावित करेंगी। पोस्ट में लिखा था कि इससे न केवल किसान बल्कि निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, क्योंकि इससे अनाज और कृषि उत्पादों से मुनाफाखोरी होगी और बिचौलियों की एक नई नस्ल का उदय होगा। परिणामस्वरूप, सभी खाद्य और पेय पदार्थ और भी महंगे हो जाएंगे। साथ ही, भाजपा इन कंपनियों से चंदा भी वसूलेगी, जिससे खाद्य और कृषि उत्पादों की कीमतें और भी बढ़ जाएंगी। धीरे-धीरे, इससे हमारे किसानों की खेती और आय कम हो जाएगी, जिससे वे अपनी जमीन अमीरों और कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर हो जाएंगे। जमीन हड़पना भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों का अंतिम लक्ष्य है।

इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसकी अस्पष्टता ने व्यापारियों और निर्यातकों को नुकसान पहुंचाया है, कारोबारियों के लिए वित्तीय संकट पैदा किया है और वैश्विक मंच पर भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर किया है। राय ने एएनआई से कहा कि निश्चित रूप से यह अमेरिका के साथ निर्यात व्यापार करने वाले हमारे सभी व्यापारियों और कारोबारियों के लिए राहत की बात है। लेकिन इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? एक गलत विदेश नीति के कारण ऐसी अराजकता पैदा हुई है। कई कारोबारियों ने बैंक से कर्ज लिया है और वे ईएमआई चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। यदि विदेश नीति में स्पष्ट रूपरेखा का अभाव है, तो देश को इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। यह भारत सरकार के लिए एक सबक है।

# देहरादून के कालसी में खाई में गिरी बस, 3 की मौत

**देहरादून।** उत्तराखंड के देहरादून जिले के कालसी इलाके में यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना मीनाक रोड पर कुआनू के पास हुई।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय हिमाचल रोडवेज की बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही डाकपत्थर, चकराता, मोरी और तिउनी में तैनात एसडीआरएफ टीमों को बचाव और राहत कार्यों के लिए दुर्घटनास्थल पर भेजा गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सभी नजदीकी चिकित्सा केंद्र हाई अलर्ट पर हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट से बात की है और आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। हमें कालसी क्षेत्र (देहरादून) में हिमाचल परिवहन निगम की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की बेहद दुखद खबर मिली है। मैंने जिला मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की और आवश्यक निर्देश जारी किए। जिला प्रशासन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिए हैं। सभी नजदीकी चिकित्सा केंद्रों को सक्रिय कर दिया गया है। जरूरत पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करके उन्नत चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया जाएगा

## आदित्य ठाकरे का मोदी सरकार पर तीखा हमला

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार लोकतंत्र के मामले में मजबूत होने का दावा करती है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में कमजोर है। उन्होंने केंद्र सरकार से व्यापार समझौते की स्पष्ट व्याख्या करने और एक खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों के जवाब देने की मांग की। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी।

मुंबई (महाराष्ट्र)से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रजापति समाज के होनहार छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन

प्रजापति समाज मुंबई उच्च शिक्षा (चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कानून आदि) ग्रहण कर रहे समाज के मेधावी छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करा रहा है, ताकि छात्र-छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। छात्र 15 फरवरी 2026 या उससे पहले आवेदन करें।

निवेदकः
प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति
( अध्यक्षः प्रजापति समाज मुंबई)
गूगल फॉर्म का लिंक नीचे दिया गया है-
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScsFwc2KBiq613bqOX5uPtAwZWdePD4_XZxB5kay0cNDO525g/viewform?usp=dialog

## राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता


-ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्व के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।

कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी। अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है। इस पूरे प्रसंग ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि भारत जैसे विविध और संवेदनशील लोकतंत्र में शब्दों की शक्ति अत्यंत गहरी है। राष्ट्रीय एकता केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि जिम्मेदार राजनीति से भी सुरक्षित रहती है। कांग्रेस को यह सोचना होगा कि क्या तात्कालिक राजनीतिक लाभ दीर्घकालिक विश्वसनीयता से अधिक महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी को यह आत्मविश्लेषण करना होगा कि नेतृत्व केवल सवाल उठाने से नहीं, बल्कि मर्यादित और समयबद्ध विवेक से भी बनता है। और सरकार को यह याद रखना होगा कि सशक्त राष्ट्र वही है जो सवालों से नहीं, बल्कि जवाबों से मजबूत होता है। यदि यह संतुलन स्थापित हो सका, तभी संसद का प्रत्येक सत्र वास्तव में राष्ट्र के हित में सार्थक सिद्ध होगा।

# मदर ऑफ ऑल डील्स भारत की अर्थव्यवस्था का टर्निंग प्वाइंट

**भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देशों के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक भूमिका को नई परिभाषा देने वाला ऐतिहासिक कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जाना इसके व्यापक प्रभाव, आकार और दूरगामी संभावनाओं को दर्शाता है। करीब दो दशक की बातचीत के बाद यह समझौता ऐसे समय पर सामने आया है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था संरक्षणवाद, व्यापार युद्ध और अस्थिर सप्लाई चेन के दबाव में है। इस समझौते के तहत भारतीय निर्यात की लगभग 93 प्रतिशत वस्तुओं को यूरोपीय बाजार में ड्यूटी-फ्री या न्यूनतम शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। इससे कपड़ा, कालीन, हस्तशिल्प, चमड़ा, रत्न-आभूषण और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ होने की संभावना है। वहीं यूरोपीय संघ की मशीनरी, तकनीक और उन्नत उत्पादों को भारतीय बाजार में चरणबद्ध रियायतें मिलेंगी, जिससे निवेश और तकनीकी सहयोग को बल मिलेगा। आर्थिक दृष्टि से यह समझौता भारत की जीडीपी वृद्धि, रोजगार सृजन और विदेशी निवेश को गति दे सकता है। विशेषकर श्रम-प्रधान उद्योगों और सेवा क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे। मतलब साफ है, यह डील भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का भरोसेमंद केंद्र बनाने और आर्थिक महाशक्ति की ओर अग्रसर करने वाला निर्णायक कदम साबित हो सकती है**


-सुरेश गांधी

जब वैश्विक व्यवस्था एक बार फिर संरक्षणवाद, व्यापार युद्ध और भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देशों के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं रह जाता, बल्कि वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे ह्यमदर ऑफ ऑल डील्स कहा जाना इस समझौते के आकार, प्रभाव और दीर्घकालिक संभावनाओं को रेखांकित करता है। या यूं कहे यह डील न केवल व्यापार बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का भरोसेमंद केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम भी है। यह समझौता ऐसे समय में सामने आया है जब भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और यूरोप ऊर्जा संकट, मंदी की आशंका तथा नई सप्लाई चेन की तलाश से जूझ रहा है। ऐसे में भारत ईयू साझेदारी दोनों के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता बनकर उभरी है। इस समझौते के तहत भारतीय निर्यात की लगभग 93 प्रतिशत वस्तुओं को यूरोपीय बाजार में ड्यूटी-फ्री या बेहद कम शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। इससे कपड़ा, कालीन, चमड़ा, हस्तशिल्प, रत्न-आभूषण और रसायन जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को सीधा लाभ होगा। ये वही क्षेत्र हैं, जिनसे देश के करोड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी है। दूसरी ओर, भारत ने भी यूरोपीय संघ को चरणबद्ध टैरिफ राहत देने पर सहमति दी है। मशीनरी, अत्याधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में शुल्क में कटौती होगी। हालांकि सरकार का दावा है कि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे लागू होगी, ताकि घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का पर्याप्त समय मिल सके। आर्थिक दृष्टि से यह समझौता भारत के जीडीपी को नई मजबूती दे सकता है। मौजूदा समय में भारत और ईयू के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक है, जिसके आने वाले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ने की उम्मीद है। निर्यात, निवेश और उत्पादन में वृद्धि से आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। रोजगार के लिहाज से यह समझौता खास महत्व रखता है। श्रम-प्रधान क्षेत्रों में लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। साथ ही यूरोपीय कंपनियों के निवेश से भारत में उच्च कौशल और तकनीकी नौकरियों का विस्तार होगा। हालांकि कुछ आशंकाएं भी हैं। छोटे और मझोले उद्योगों को सस्ते यूरोपीय उत्पादों से प्रतिस्पर्धा का डर है। लेकिन सरकार का कहना है कि सुरक्षा प्रावधान और घरेलू नीतिगत समर्थन से इस संतुलन को साधा जाएगा। कुल मिलाकर, यह समझौता भारत की आर्थिक कूटनीति का निर्णायक अध्याय है। सही क्रियान्वयन हुआ तो यह सौदा भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में और आगे ले जाएगा।

**कालीन व साड़ी उद्योग के लिए नया सवेरा**

इस समझौते का सबसे ठोस और जमीनी असर भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी जैसे इलाकों में देखने को मिल सकता है, जहां कालीन, हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार हैं। अब तक यूरोपीय बाजार में भारतीय कालीनों को भारी टैरिफ और जटिल नियमों का सामना करना पड़ता था। इस समझौते के बाद भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों को ड्यूटी-फ्री प्रवेश मिलेगा। इससे भदोही का कालीन उद्योग चीन, तुर्की और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अधिक मजबूत स्थिति में आ सकता है। भदोही की विशेषता यह है कि यहां का उद्योग पूरी तरह एमएसएमई और कुटीर आधारित है। निर्यात बढ़ने से बुनकरों को लगातार काम मिलेगा, स्थानीय इकाइयों की आय बढ़ेगी, बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी. इसी तरह वाराणसी के रेशमी वस्त्र, जरी-जरदोजी और हस्तशिल्प को भी यूरोपीय बाजार में नई पहचान मिलने की संभावना है। यदि निर्यात प्रक्रियाएं सरल हुईं और गुणवत्ता मानकों पर सरकारी सहयोग मिला, तो पूर्वांचल वैश्विक हस्तशिल्प मानचित्र पर उभर सकता है। हालांकि स्थानीय उद्योग यह भी चाहते हैं कि सस्ते आयात से उन्हें सुरक्षा मिले, स्किल अपग्रेडेशन हो और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में तकनीकी सहायता दी जाए। यदि नीति और जमीन पर अमल साथ चले, तो यह समझौता भदोही और वाराणसी की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दे सकता है। चमड़े और शिल्प में श्रम-प्रधान आधार के कारण कानपुर और आगरा के चमड़े के जूते निर्यातक निर्यात बढ़ा सकते हैं, जबकि सहारनपुर फर्नीचर और हस्तशिल्प निर्यात से लाभान्वित होगा. नोएडा के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और वेस्ट यूपी के कृषि उत्पादों को भी लाभ होगा, जिससे राज्य के निर्यात का दायरा बढ़ेगा.

**टैरिफ शून्य, अवसर अनंत राज्यों की निर्यात उड़ान**

यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापार में अधिकांश उत्पादों पर टैरिफ शून्य होने से भारत के लगभग हर प्रमुख औद्योगिक राज्य में उद्यमिता और रोजगार की नई संभावनाएं खुलती दिख रही हैं। यह केवल निर्यात वृद्धि नहीं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान का संकेत है। महाराष्ट्र में इचलकरंजी के वस्त्र उद्योग, पुणे के इंजीनियरिंग-इलेक्ट्रॉनिक्स और ठाणे-रायगढ़ के फार्मा सेक्टर को नए ऑर्डर मिलने की संभावना है, वहीं मुंबई के रत्न-आभूषण निर्यात को गति मिलेगी। गुजरात को सूरत के वस्त्र-हीरा उद्योग, भरूच-वडोदरा के केमिकल्स और राजकोट के इंजीनियरिंग निर्यात से बड़ा लाभ होगा। तमिलनाडु में तिरुप्पुर के परिधान, वेल्लोर-अंबूर के चमड़ा-फुटवियर और चेन्नई-कोयंबटूर के इंजीनियरिंग सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होंगे। पश्चिम बंगाल को दार्जिलिंग चाय, दीघा-हल्दिया के समुद्री उत्पाद और पारंपरिक हस्तशिल्प से आजीविका आधारित लाभ मिलेगा। असम में डिब्रूगढ़-जोरहाट की चाय, ऊपरी असम के मसाले और बांस-हस्तशिल्प को प्रीमियम बाजार मिलेगा। केरल के लिए झींगा, टूना, काली मिर्च और इलायची किसानों-मछुआरों की आय बढ़ाने वाले सेक्टर बनेंगे। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और वस्त्र निर्यात से हाई-वैल्यू सप्लाई चेन मजबूत होगी। पंजाब के लुधियाना-जालंधर और राजस्थान के जयपुर-जोधपुर जैसे एमएसएमई व शिल्प केंद्रों को भी सीधा लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर, यह समझौता भारत के राज्यों को स्थानीय उत्पादन से वैश्विक बाजार तक जोड़ने वाला निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

**दो दशक की प्रतीक्षा और बदली वैश्विक परिस्थितियां**

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत वर्ष 2007 में शुरू हुई थी। बीच के वर्षों में कई बार वार्ता रुकी, प्राथमिकताएं बदलीं और वैश्विक परिस्थितियों ने दिशा मोड़ी। लेकिन बीते कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में आए बदलावों, विशेषकर अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, कोविड के बाद सप्लाई चेन संकट और यूक्रेन युद्धकृने यूरोप और भारत दोनों को एक-दूसरे के करीब आने के लिए मजबूर किया। भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसे केवल एक उभरता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति का भरोसेमंद केंद्र बनाता है। वहीं यूरोपीय संघ के लिए भारत एक ऐसा साझेदार है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, स्थिरता और विशाल बाजार, तीनों का संगम प्रस्तुत करता है।

**टैरिफ कटौतीः व्यापार की नई संरचना**

इस ऐतिहासिक समझौते का सबसे प्रत्यक्ष और व्यावहारिक असर टैरिफ यानी आयात-निर्यात शुल्क में कटौती के रूप में दिखाई देगा। समझौते के तहत भारत की लगभग 93 प्रतिशत निर्यात योग्य वस्तुओं को यूरोपीय बाजार में ड्यूटी-फ्री या न्यूनतम शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। इसका सीधा लाभ उन क्षेत्रों को होगा, जिनमें भारत की परंपरागत और श्रम-प्रधान ताकत निहित है, कपड़ा और वस्त्र, कालीन और हस्तशिल्प, चमड़ा उद्योग, रत्न एवं आभूषण, रसायन और कृषि आधारित उत्पाद, यूरोप जैसे उच्च क्रयशक्ति वाले बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कई गुना बढ़ा देगी।

**यूरोपीय संघ को भी रियायत**

भारत ने भी यूरोपीय संघ को चरणबद्ध टैरिफ राहत देने पर सहमति दी है। मशीनरी, उन्नत तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल उपकरण और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में शुल्क में कटौती होगी। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे और नियंत्रित ढंग से लागू होगी, ताकि घरेलू उद्योगों को झटका न लगे। यह संतुलन इस समझौते को एकतरफा नहीं, बल्कि व्यावहारिक और परस्पर लाभकारी बनाता है।

**भारत का आर्थिक ढांचा और जीडीपी पर प्रभाव**

आज भारत और यूरोपीय संघ के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक का है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह समझौता लागू होने के बाद अगले कुछ वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि होगी। निर्यात में वृद्धि से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा, विदेशी निवेश (एफडीआई) में तेजी आएगी, सेवा क्षेत्र को नया विस्तार मिलेगा. अर्थशास्त्रियों के अनुसार, यह समझौता भारत की जीडीपी वृद्धि दर में अतिरिक्त 0.5 से 1 प्रतिशत तक का योगदान कर सकता है। यह किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है।

**रोजगार सृजन : सामाजिक बदलाव की धुरी**

इस समझौते का सबसे व्यापक सामाजिक असर रोजगार के क्षेत्र में दिखाई दे सकता है। भारत की बड़ी आबादी युवा है और रोजगार सृजन उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी। मतलब साफ है श्रम-प्रधान उद्योगों में लाखों नए रोजगार के अवसर, एमएसएमई सेक्टर को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सीधा जुड़ाव, यूरोपीय निवेश से तकनीकी और उच्च कौशल नौकरियां. यह समझौता मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है।

**सेवा क्षेत्र और डिजिटल भारत**

भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस समझौते में सेवाओं को भी अहम स्थान दिया गया है। आईटी, फिनटेक और कंसल्टेंसी सेवाओं को यूरोप में बेहतर पहुंच, भारतीय पेशेवरों के लिए अवसर, डिजिटल ट्रेड और डेटा सहयोग. यह भारत को केवल वस्तुओं का निर्यातक नहीं, बल्कि ज्ञान और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है।

**तकनीक, निवेश और हरित भविष्य**

यूरोपीय संघ तकनीक, अनुसंधान और हरित ऊर्जा में अग्रणी माना जाता है। इस समझौते से ग्रीन एनर्जी और हाइड्रोजन मिशन में सहयोग, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी टेक्नोलॉजी का विकास, रिसर्च एंड डेवलपमेंट में संयुक्त निवेश. भारत की विकास यात्रा को पर्यावरणीय संतुलन के साथ आगे बढ़ाने में यह साझेदारी सहायक हो सकती है।

**आलोचनाएं और आशंकाएं**

हर बड़े आर्थिक निर्णय की तरह इस समझौते पर भी सवाल उठ रहे हैं। छोटे उद्योगों को सस्ते यूरोपीय उत्पादों से प्रतिस्पर्धा का डर, कृषि और डेयरी सेक्टर को लेकर चिंताएं, श्रम और पर्यावरण मानकों की शर्तें. हालांकि सरकार का तर्क है कि सुरक्षा प्रावधान, चरणबद्ध सुधार और घरेलू नीतिगत समर्थन से इन आशंकाओं को संतुलित किया जाएगा।

यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का केंद्र, भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार और उभरती आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया जा रहा है। यह सौदा स्पष्ट करता है कि भारत संरक्षणवाद नहीं, बल्कि संतुलित वैश्वीकरण के रास्ते पर चल रहा है।

भारत ईयू मदर ऑफ ऑल डील्स आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक दिशा तय करने की क्षमता रखता है। यह समझौता आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रभाव, तीनों को नई ऊंचाई दे सकता है। लेकिन इसके साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि सरकार, उद्योग और समाज, तीनों मिलकर संतुलित और समावेशी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। यदि ऐसा हुआ, तो यह समझौता केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक इतिहास का निर्णायक अध्याय सिद्ध होगा। यह केवल एक व्यापारिक करार नहीं, भारत के भविष्य की नींव है।

# नर्सरी से कॉलेज तक, एडमिशन की युद्धभूमि



आज शिक्षा का अर्थ सीखना नहीं, बल्कि साबित करना हो गया है। साबित करना कि बच्चा बेहतर है, तेज है, दूसरों से आगे है। और यह साबित करने की ज़िम्मेदारी बच्चे से ज्यादा उसके माता-पिता के कंधों पर डाल दी गई है। नतीजा यह है कि नर्सरी से लेकर विश्वविद्यालय तक, दाखिला अब एक सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन चुका है। दाखिले की इस दौड़ में सबसे पहले निशाने पर आता है मासूम बच्चा। वह उम्र, जब खेलना, कल्पना करना और सवाल पूछना चाहिए, उसी उम्र में उसे फॉर्म, इंटरव्यू, टेस्ट और रैंक के बोझ तले दबा दिया जाता है। नर्सरी एडमिशन के नाम पर माता-पिता छुट्टियाँ लेते हैं, स्कूल-दर-स्कूल भटकते हैं, सिफारिशें ढूँढते हैं और कई बार आत्मसम्मान तक गिरवी रख देते हैं। यह सब इसलिए नहीं कि बच्चा सीख सके, बल्कि इसलिए कि वह अच्छे स्कूल का टैग हासिल कर सके।

आज शिक्षा संस्थान ज्ञान के मंदिर कम और प्रतिस्पर्धी बाजार ज्यादा बनते जा रहे हैं। अखबारों में मिशन एडमिशन जैसे शब्द आम हो चुके हैं। टीवी चैनलों पर दाखिले को लेकर बहसें होती हैं, कोचिंग संस्थान भविष्य की गारंटी बेचते हैं और स्कूल-कॉलेज अपनी ब्रांड वैल्यू चमकाने में लगे रहते हैं। इस पूरे तंत्र में बच्चा एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रोजेक्ट बन जाता है—जिसे हर हाल में सफल दिखाना जरूरी है। कभी 60-65 प्रतिशत अंक लाना सम्मान की बात हुआ करती थी। सेकंड डिविजन जीवन की हार नहीं मानी जाती थी। आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत से नीचे अंक लाने वाला बच्चा और उसके माता-पिता अपराधबोध में जीते हैं। 95-96 प्रतिशत अंक लाने वालों को भी चैन नहीं है, क्योंकि कट-ऑफ हर साल नई ऊँचाई छू रहा है। ऐसा लगता है मानो अंकों की इस दौड़ का कोई अंत ही नहीं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब ज्यादातर बच्चे 90 प्रतिशत से ऊपर अंक ला रहे हैं, तो क्या वास्तव में सब असाधारण प्रतिभाशाली हैं? या फिर मूल्यांकन प्रणाली ही अपना संतुलन खो चुकी है? शिक्षा का उद्देश्य समझ विकसित करना था, लेकिन वह अब अंकों और रैंक के गणित में सिमट कर रह गया है। ज्ञान से ज्यादा प्रदर्शन मायने रखता है, और प्रदर्शन से ज्यादा उसका प्रचार। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे भयावह पहलू है बच्चों पर पड़ने वाला मानसिक दबाव। परीक्षा, इंटरव्यू और चयन की अनिश्चितता बच्चे के भीतर डर और असुरक्षा पैदा करती है। असफलता की स्थिति में पहला सवाल यही होता है—अब क्या होगा? यह सवाल सिर्फ. भविष्य का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी होता है। बच्चा यह मानने लगता है कि उसकी असफलता उसके माता-पिता की हार है। यह भाव उसके आत्मविश्वास को गहरे तक चोट पहुँचाता है। विडंबना यह है कि माता-पिता भी इस दबाव के शिकार हैं। समाज ने उनके सामने सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा रख दी है—टॉप स्कूल, टॉप कॉलेज और टॉप करियर। वे यह सोचने से डरते हैं कि अगर उनका बच्चा इस तय ढाँचे में फिट नहीं हुआ, तो लोग क्या कहेंगे। परिणामस्वरूप वे बच्चे की रुचि, क्षमता और स्वभाव को नजरअंदाज कर देते हैं। शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त असमानता इस समस्या को और गंभीर बना देती है। जिनके पास संसाधन हैं, वे महँगी कोचिंग, प्राइवेट स्कूल और मैनेजमेंट कोटा खरीद सकते हैं। लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के बच्चों के लिए यह दौड़ कहीं ज्यादा कठिन है। योग्यता के बावजूद अवसर न मिलना, व्यवस्था पर से भरोसा तोड़ देता है। धीरे-धीरे शिक्षा सामाजिक न्याय का माध्यम न रहकर विशेषाधिकार का प्रतीक बन जाती है। एक और चिंताजनक पहलू यह है कि हम बच्चों को सोचने के बजाय रटने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। सवाल पूछने वाले बच्चे डिस्ट्रैक्टेड माने जाते हैं और उत्तर याद करने वाले मेधावी। रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुण पाठ्यक्रम से बाहर कर दिए गए हैं। शिक्षा का लक्ष्य इंसान बनाना था, लेकिन हम मशीन तैयार करने में लगे हैं। इस संदर्भ में यह सवाल बेहद जरूरी है—क्या शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ. टॉपर पैदा करना है? या ऐसे नागरिक तैयार करना है जो समाज के प्रति ज़िम्मेदार हों, सवाल पूछ सकें और बदलाव ला सकें? जब तक हम इस सवाल का ईमानदारी से उत्तर नहीं खोजेंगे, तब तक दाखिले की यह दौड़ और ज्यादा बेरहम होती जाएगी। जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को बाजार से मुक्त किया जाए और मूल्यांकन प्रणाली को मानवीय बनाया जाए। स्कूलों और कॉलेजों में सीटें बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और अवसरों को समान बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास हों। सबसे जरूरी है माता-पिता और समाज की सोच में बदलाव—कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता और सफलता का एक ही रास्ता नहीं होता। अगर शिक्षा को आनंद, जिज्ञासा और आत्मविकास का माध्यम बना दिया जाए, तो दाखिले की यह दौड़ अपने आप धीमी पड़ जाएगी। वरना हम आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा भविष्य सौंपेंगे, जहाँ डिग्रियाँ तो होंगी, लेकिन संतुलन और संवेदनशीलता नहीं। आज जरूरत इस बात की है कि हम रुककर सोचें—क्या शिक्षा का मकसद केवल टॉपर पैदा करना है, या संवेदनशील, सोचने-समझने वाला इंसान बनाना? जब तक दाखिले की यह अंधी दौड़ जारी रहेगी, तब तक शिक्षा बोझ बनी रहेगी, आनंद नहीं। बदलाव सिस्टम में चाहिए, लेकिन शुरूआत हमारी सोच से होगी—वरना यह दौड़ हर साल और बेरहम होती जाएगी।

**(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)**

## क्रिकेट का कब्रिस्तान पाकिस्तान


संजीव ठाकुर

पाकिस्तान सरकार ने आगामी ळ20 वर्ल्ड कप 26 को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में शामिल नहीं होने का फैसला कर लिया है। पाकिस्तान ने इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट की कब्र ही खोद दी है। विगत 10 से12 वर्षों में क्रिकेट पाकिस्तान के लिए बोझ बनता जा रहा है और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 15 फरवरी को भारत के विरुद्ध मैच खेलने से पाकिस्तान सरकार के इनकार ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। कयास यह लगाई जा रहे हैं कि भारत से डर कर पाकिस्तान ने मैच खेलने से इनकार कर दिया है गौरतलाप है कि वर्ल्ड कप T20 में आठ में से 7 मैच भारत जीता है और केवल एक मैच पाकिस्तान जीत पाया है। ऐसी परिस्थितियों में यह फैसला खेल से अधिक राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था में इसके दूरगामी आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत दुष्परिणाम निश्चित हैं।

भारत पाक मुकाबला केवल एक मैच नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है। जिससे आईसीसी, मेजबान देश, ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां, प्रायोजक और स्वयं दोनों क्रिकेट बोर्डों को भारी राजस्व प्राप्त होता है। इन परिस्थितियों में यदि पाकिस्तान इस मैच से पीछे हटता है तो पहला सीधा झटका इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स को लगेगा जिन्होंने अरबों रुपये का निवेश इस टूनामेंट के अधिकारों में किया है। विज्ञापन अनुबंध, स्लॉट बुकिंग और व्यूअरशिप अनुमानों की रीढ़ भारत-पाक मैच पर ही टिकी होती है। मैच रद्द या पाकिस्तान की अनुपस्थिति की स्थिति में ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां आईसीसी से मुआवजे की मांग करेंगी और यह स्वाभाविक है कि आईसीसी उस क्षतिपूर्ति का बोझ संबंधित बोर्ड यानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अंततः पाकिस्तान सरकार पर डालने का प्रयास करेगा। विभिन्न मीडिया अनुमानों और पूर्व अनुभवों के आधार पर यह नुकसान लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है, जो पहले से कर्ज, महंगाई, विदेशी मुद्रा संकट और आईएमएफ की शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अत्यंत गंभीर आर्थिक आघात होगा। इतना ही नहीं यदि आईसीसी इसे टूनार्मेंट की अखंडता और अनुबंध उल्लंघन के रूप में देखती है तो उस पर अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। जिससे कुल नुकसान और बढ़ेगा, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा शिकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड होगा जो पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है और जिसकी आय का बड़ा हिस्सा आईसीसी के वितरण और भारत-पाक सीरीज की अप्रत्यक्ष लोकप्रियता पर निर्भर करता है। यदि आईसीसी पाकिस्तान को गैर-पेशेवर व्यवहार या राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए दोषी मानती है तो उस पर भविष्य के टूनार्मेंटों की मेजबानी से वंचित किया जा सकता है या पांच वर्ष तक के प्रतिबंध जैसी कठोर कार्रवाई की संभावना भी बन सकती है, जो पीसीबी के लिए लगभग विनाशकारी सिद्ध होगी क्योंकि तब न केवल राजस्व रुकेगा बल्कि खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी सीमित हो जाएगा। पाकिस्तान का यह तर्क कि उसने बांग्लादेश के भारत न आकर खेलने के फैसले के समर्थन में यह कदम उठाया है, तो यह फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में ज्यादा वजन नहीं रखता क्योंकि आईसीसी का ढांचा द्विपक्षीय राजनीतिक समर्थन नहीं बल्कि लिखित अनुबंधों और तय कार्यक्रमों पर आधारित होता है। खेल की वैश्विक संस्था भावनात्मक या वैचारिक समर्थन से नहीं बल्कि व्यावसायिक अनुशासन से चलती है। पाकिस्तान का यह निर्णय उसे नैतिक ऊंचाई नहीं बल्कि प्रशासनिक अविश्वसनीयता की श्रेणी में खड़ा करता है। भारत की स्थिति इस पूरे विवाद में अपेक्षाकृत मजबूत है क्योंकि बीसीसीआई न केवल आर्थिक रूप से दुनिया का सबसे ताकतवर बोर्ड है बल्कि आईसीसी की आय का सबसे बड़ा स्रोत भी है। इसलिए किसी भी विवाद में आईसीसी संतुलन साधने का प्रयास करेगी लेकिन अंततः नुकसान उसी को उठाना पड़ेगा जो आयोजन को बाधित कर रहा है। पाकिस्तान में क्रिकेट को लेकर पहले ही अस्थिरता रही है,कभी सुरक्षा कारण, कभी सरकार का हस्तक्षेप, कभी बोर्ड की अंदरूनी राजनीति इन सबने मिलकर पाकिस्तान क्रिकेट की विश्वसनीयता को कमजोर किया है और यह फैसला उसी कड़ी का अगला अध्याय लगता है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट को ह्लकब्रिस्तानह्व बनने से बचाना चाहता है तो उसे यह समझना होगा कि आधुनिक क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि वैश्विक उद्योग है जहां भावनाओं से अधिक अनुबंध और पेशेवर प्रतिबद्धता मायने रखती है, भारत के खिलाफ न खेलने का निर्णय घरेलू राजनीति में भले ही तालियां बटोर ले, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह पाकिस्तान को अलग-थलग करने की दिशा में एक और कदम साबित हो सकता है। अंततः नुकसान केवल सरकार या बोर्ड का नहीं होगा बल्कि उन खिलाड़ियों का होगा जिनके करियर, मेहनत और सपने इस अव्यवस्था की भेंट चढ़ेंगे, इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि इस फैसले ने पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी नहीं बल्कि क्रिकेट रूपी आखिरी सहारे पर भी गहरी चोट कर दी है। यदि समय रहते आत्ममंथन नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के पन्नों में गौरव से नहीं बल्कि चेतावनी के उदाहरण के रूप में दर्ज हो सकता है।

## लोक नृत्य प्रतियोगिता में चारकोप सेक्टर 1 हिंदी विद्यालय को मिला प्रथम स्थान

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग के आर/दक्षिण विभाग द्वारा आयोजित बालकोत्सव प्रतियोगिता 2025-26 के अंतर्गत संपन्न लोकनृत्य प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। प्रतियोगिता में चारकोप सेक्टरझ1 हिंदी विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या स्विटी रोहित पाटील के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रस्तुति दी। गणेश नगर हिंदी विद्यालय ने द्वितीय तथा चारकोप गांव मराठी विद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं एम.पी.एस. गणेश नगर विद्यालय को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में दीपिका पाटिल (उपशिक्षणाधिकारी पश्चिम विभाग),मुख्तार शाह (उपशिक्षणाधिकारी पी.पी. सेल), तौहीद शेख (अधीक्षक) उपस्थित रहे। इस अवसर पर अशफाक शेख (प्रशासकीय अधिकारी), विभाग निरीक्षक मीना कवले तथा राजेश बुजड भी उपस्थित रहे।

## 'टीसर्व सेलेक्ट' मल्टी-ब्रांड सर्विस आउटलेट शुरू

**मुंबई।** टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने आज बेंगलुरु में अपने पहले मल्टी-ब्रांड रिटेल सर्विस आउटलेट टीसर्व सेलेक्ट के उद्घाटन की घोषणा की। टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, किर्लोस्कर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, त्रिचूर सुंदरम संथानम फैमिली (टीएसएसएफ ग्रुप) और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड (टीकेएम) का एक जॉइंट वेंचर है। यह नई कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की लगातार ग्रोथ और ग्राहकों की बदलती उम्मीदों को देखते हुए स्थापित की गई है, जिसमें सभी ब्रांड्स में संगठित, पारदर्शी और भरोसेमंद सर्विस सॉल्यूशंस की बढ़ती मांग है। इस बढ़ती मांग के बावजूद भारत के ऑटोमोटिव सर्विसिंग बाजार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बिखरा हुआ और असंगठित है, जो ग्राहकों को सर्विस देने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्रशिक्षित टेक्नीशियन, मजबूत क्वालिटी सिस्टम और ग्राहक-केंद्रित प्रक्रियाओं द्वारा समर्थित व्यापक मल्टी-ब्रांड वाहन सर्विस सॉल्यूशंस प्रदान करेगा। पहला टीसर्व सेलेक्ट आउटलेट केआर पुरम, बेंगलुरु में शुरू किया गया है, जो आधुनिक डायग्नोस्टिक क्षमताओं और कुशल कर्मचारियों से लैस है। टीसर्व सेलेक्ट कंपनी के स्वामित्व वाले [टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस] आउटलेट का प्रतिनिधित्व करता है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी, सुरक्षा और ग्राहक अनुभव पर जोर देते हैं। यह वेंचर बाजार की क्षमता और भरोसेमंद, हाई-स्टैंडर्ड व्हीकल सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए बढ़ती पसंद के अनुरूप, प्रमुख भारतीय शहरों में अपने विस्तार की योजना बना रहा है। कंपनी ने श्री राजेश मेनन को प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में कई फंक्शन में 35 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, वह भारत के बदलते ऑटोमोटिव सर्विस परिदृश्य के अनुरूप एक स्केलेबल, ग्राहक-केंद्रित सर्विस नेटवर्क बनाने में संगठन का नेतृत्व करेंगे। टीसर्व सेलेक्ट के साथ, ₹टीसर्व₹ ट्रेडमार्क के तहत थर्ड पार्टी मल्टी-ब्रांड सर्विस आउटलेट्स का एक बड़ा नेटवर्क है, जो भारतीय ग्राहकों को बेहतर पहुंच और सुविधा के साथ सर्विस देगा, और अलग-अलग बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए लगातार सर्विस स्टैंडर्ड सुनिश्चित करेगा, जो अभी 150 है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए किर्लोस्कर सिस्टम्स की चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती गीतांजलि किर्लोस्कर ने कहा, ₹हमारे पहले सर्विस आउटलेट का उद्घाटन एक कस्टमर-फ्रेंडली ऑटोमोटिव सर्विस प्लेटफॉर्म बनाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जैसे-जैसे भारतीय ग्राहक पारदर्शिता और भरोसे को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, हमारा ध्यान सभी वाहन ब्रांडों में उच्च-गुणवत्ता और भरोसेमंद सर्विस देने पर है। टीएसएसएफ ग्रुप के डायरेक्टर श्री श्रीवत्स राम ने कहा, इस फेसिलिटी का लॉन्च पेशेवर व्हीकल सर्विस को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ग्राहकों की उम्मीदों और संगठित सर्विस विकल्पों की उपलब्धता के बीच के अंतर को दूर करके, हमारा लक्ष्य ऐसे भरोसेमंद समाधान पेश करना है जो स्वामित्व यात्रा के दौरान मूल्य प्रदान करें।

## महाराष्ट्र में बड़ा हादसा टला, उड़ान से ठीक पहले पंकजा मुंडे के हेलीकॉप्टर में आई खराबी

**मुंबई।** अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र के अन्य राजनेता भी हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। ताजा घटना भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे से जुड़ी है, जिनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण उन्हें अपनी हेलीकॉप्टर यात्रा स्थगित करनी पड़ी।

पंकजा मुंडे जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए संभाजीनगर से लातूर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने वाली थीं। हालांकि, पायलट ने तकनीकी खराबी की सूचना दी, जिसके कारण उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी। गौरतलब है कि अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद, सभी राजनेता हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। छत्रपति संभाजीनगर से उड़ान भरने से ठीक पहले खराबी का पता चला। पंकजा मुंडे को जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए लातूर जाना था। पंकजा मुंडे दूसरे हेलीकॉप्टर से सभा में शामिल होंगी। अजित पवार का हाल ही में बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह ध्यान देने योग्य है कि एनसीपी नेता अजित पवार का बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। तब से, सभी राजनेता हवाई यात्रा करने से पहले सावधानी बरत रहे हैं।

अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे और बारामती में एक रैली को संबोधित करने के लिए सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। अजित पवार के निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। अजीत पवार से पहले, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी 2025 में अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यह दुर्घटना 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई थी। इस दुर्घटना में एयर इंडिया की फ्लाइट 171 पूरी तरह से नष्ट हो गई थी। इससे पहले, भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल बिपिन रावत की 2021 में तमिलनाडु के कुन्नूर में एक ट्र-17₹5 हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यह ध्यान देने योग्य है कि विमान दुर्घटना में सवार लोगों के बचने की संभावना बहुत कम होती है।

# कुणबी समाजोन्नति संघ द्वारा भव्य कुणबी महोत्सव आयोजित

**पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)।** पालघर में कुणबी समाजोन्नति संघ द्वारा आयोजित कुणबी महोत्सव संघ के सभागृह में अत्यंत उत्साह व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कला, क्रीड़ा, साहित्य, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजे इस दो दिवसीय महोत्सव में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस महोत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए रंगभरण, चित्रकला, हस्तलेखन, निबंध, वक्तृत्व एवं वेशभूषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए मनोरंजनात्मक खेल, हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम रखे गए। इसके साथ ही एकांकी, मायबोली प्रस्तुति, लोकनृत्य, एकल एवं समूह नृत्य तथा क्रिकेट प्रतियोगिता ने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया।

महोत्सव का उद्घाटन पालघर नगर परिषद के नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष एवं समाज के पूर्व उपाध्यक्ष उत्तम मोरेश्वर घरत के हाथों किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष मनोज घरत, कार्याध्यक्ष गणेश घरत, पूर्व अध्यक्ष परेश पाटील, विदुर पाटील, चंद्रकांत घरत, वरिष्ठ नेता पांडुरंग घरत, प्रभाकर घरत, प्रभाकर ठक्याजी राऊत सहित अनेक मान्यवर, कार्यकारिणी सदस्य, सलाहकार मंडल, शिक्षक विकास मंच तथा समाज के भाई-बहन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में नगराध्यक्ष घरत ने युवाओं से एकजुट होकर समाज को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उपप्राचार्या अपर्णा घरत ने समाज के प्रति प्रेरणादायी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर नगराध्यक्ष उत्तम मोरेश्वर घरत का समाज संघ की ओर से शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ, स्मृतिचिन्ह एवं सम्मानपत्र देकर भव्य सत्कार किया गया। साथ ही नगरसेवक दिनेश शिवाजी घरत एवं जस्वीन मनोज घरत का भी सम्मान किया गया। दूसरे दिन के प्रथम सत्र में समाज के डॉक्टरों एवं चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत मान्यवरों का परिसंवाद प्रा. संजय घरत, डॉ भावना घरत

की ओर से आयोजित किया गया। सामान्य चिकित्सा, शल्यक्रिया, स्त्रीरोग, हृदयरोग, अस्थिरोग, दंतरोग, आपातकालीन सेवा, प्रयोगशाला एवं निदान विभाग जैसे विषयों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मार्गदर्शन किया। विदेश से वीडियो माध्यम द्वारा भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साहित्य सत्र में मायबोली, भाषा, लेखन और साहित्य पर विचारोत्तेजक चर्चा हुई, जिसमें प्रसिद्ध साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। काव्य संमेलन और साहित्यिक संवाद को श्रोताओं की भरपूर सराहना मिली। क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए। फ्रेंड्स सरावली टीम ने प्रथम, पवनसूत नवली ने द्वितीय, फायर पास्थल ने तृतीय तथा साईकृपा दहिसर टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त जिजाऊ शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्था, झडपोली (विक्रमगड) के दृष्टिबाधित एवं मतिमंद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत संगीत स्वरधारा कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रसिद्ध नृत्यांगना कु. प्रांजल प्रसन्ना घरत के भरतनाट्यम एवं लावणी नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया।

भोजन, मंडप एवं अन्य व्यवस्थाओं में कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज के अनेक स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। समाज के दानदाताओं ने आर्थिक एवं वस्तु स्वरूप सहयोग कर महोत्सव को सफल बनाया। कार्यक्रम का नियोजन कुणबी शिक्षक विकास मंच एवं कार्यकारिणी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन दिपक पाटील, विनीता घरत व क्रिशिका घरत ने किया तथा संतोष घरत ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सहयोगियों एवं कार्यक्रम में शामिल सभी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## केडीएमसी में शिवसेना का महापौर तो भाजपा से उपमहापौर, ढाई साल के लिए दोनों पदों पर बनी सहमती

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** डोंबिवली महानगरपालिका के महापौर और उपमहापौर पद के लिए हुई चुनाव प्रक्रिया में हर्षाली चौधरी थविल को महापौर पद पर तथा राहुल दामले को उपमहापौर पद पर निर्विरोध चुना गया है।

इस चुनाव के बाद महापालिका के सभागार में खुशी का माहौल देखने को मिला। सभी दलों के नगरसेवकों ने नए महापौर और उपमहापौर को बधाई देते हुए उनके आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव के बाद आयोजित विशेष बैठक में जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नया नेतृत्व जनहित के लिए कार्य करेगा।

नवनिर्वाचित नगरसेवकों ने यह उम्मीद जताई कि प्रशासनिक राज्य के कारण रुके हुए विकास कार्यों को अब गति मिलेगी। निर्विरोध घोषणा होते ही महापौर हर्षाली चौधरी ने सांसद डा. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में महापौर का पदभार स्वीकारा।

# ईवीएम के विरोध में वंचित बहुजन अघाडी के नेतृत्व में निकाला गया सर्वदलीय जन आक्रोश मोर्चा

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर वंचित बहुजन आघाड़ी की ओर से भिवंडी में ईवीएम के विरोध में सर्वदलीय जनआक्रोश मोर्चा शांतिपूर्ण व उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस मोर्चे में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। मोर्चा धामणकर नाका से शुरू हुआ यह मोर्चा उपविभागीय अधिकारी (प्रांत) कार्यालय तक निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने, चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने, कुछ वार्डों में पुनर्मतदान कराने तथा कथित गुंडागर्दी और फर्जी मतदान की निष्पक्ष जांच की मांग की।

मोर्चे का नेतृत्व वंचित बहुजन आघाड़ी के भिवंडी शहराध्यक्ष मनीष देशमुख ने किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता को सजग और संगठित रहना जरूरी है। मोर्चे के दौरान प्रांताधिकारी अमित सानप को ज्ञापन सौंपा गया। मोर्चा पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। इससे भिवंडी के नागरिकों की लोकतांत्रिक जागरूकता और निष्पक्ष चुनाव की मांग स्पष्ट रूप से सामने आई। इस मोर्चे में वंचित बहुजन आघाड़ी के उल्हासनगर शहर अध्यक्ष शेषराव मोरे, ग्रामीण अध्यक्ष शीतल गायकवाड़, भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की उम्मीदवार छायाताई जाधव, सुरेखा विनोद आरखडे, नडीगोटू श्रीनिवास लिंगायह, सादिक शेख, दिनकर आरकडे और बशीर रफीक शेख, वरिष्ठ समाजसेवक सुधाकर सोनावणे, रमेश गांधले गुरुजी, आनंद सोलसे, माणिक घाडगे, अरविंद ओव्हाळ, विनोद आरकडे, सलमान भाई, सचिन खंडागळे तथा सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस मोर्चे को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए वंचित बहुजन आघाड़ी, भिवंडी शहर शाखा के पदाधिकारियों ने विशेष मेहनत की। इसमें उपाध्यक्ष सदानंद बनसोडे, परमेश्वर साठे, कार्याध्यक्ष अक्षय कांबळे, महासचिव सुदाम अहिरे, सचिव शिवकुमार पाठक, सहसचिव संजय गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष सागर गायकवाड़ आदि लोगों के सहयोग से यह मोर्चा अनुशासित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

## 2027 की जनगणना की तैयारी को लेकर महानगरपालिका में प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** स्वतंत्रता के बाद होने वाली आठवीं जनगणना 2027 के लिए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने तैयारियां शुरू कर दी है जिसके लिये 03 फरवरी 2026 को मनपा मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बतादें कि इस प्रशिक्षण के लिए जनगणना संचालनालय की ओर से प्रविण भगत (सहायक संचालक) तथा अरुण सालगांवकर (वरिष्ठ निरीक्षक, श्रेणी-1) की नियुक्ति की गई थी। प्रशिक्षण में महानगरपालिका के प्रधान जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त, शहर जनगणना अधिकारी एवं उप आयुक्त (प्रशासन), प्रभाग अधिकारी तथा चार्ज अधिकारी को

घर सूची समूह (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) तैयार करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इस बार की जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संपन्न होगी। इसके लिए जनगणना संचालनालय द्वारा एक स्वतंत्र जनगणना प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उप आयुक्त (प्रशासन) विक्रम दराडे, सहायक आयुक्त (जनगणना) नितीन पाटिल, विभाग प्रमुख (जनगणना) अजीत महाडिक सहित महानगरपालिका के निर्माण व नगर नियोजन विभाग के अभियंता, प्रभाग अधिकारी एवं कर निरीक्षक उपस्थित थे। महानगरपालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों पर तैयारी की जा रही है और अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

## स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़कियों से जिस्मफरोशी कराने वाली एक महिला एजेंट गिरफ्तार

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** भायंदर का मामला है जहां नवघर पुलिस स्टेशन के पुलिस ने चार

पीड़ीत लडकिया जो 18 से 21 वर्ष की है उन्हें सेक्स रैकेट के दलदल से बचाया गया। आज महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय जोन एक के डीसीपी राहुल चव्हाण को ठ्ठ्ठ से सूचना मिली कि, नवघर पुलिस स्टेशन की हद में न्यू गोल्डन नेस्ट रोड, गोडदेव, इंस्टा फूड कैफे होटल के पास एक महिला एजेंट ग्राहकों को जिस्म फरोशी के लिए लडकीयां सप्लाई करने आने वाली हैं, फिर नवघर पुलिस स्टेशन की टिम ने इंस्ट्रा फूड कैफे होटल के पास बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारकर एक महिला दलाल को हिरासत में लेकर चार पीड़ीत लडकियो को जिस्म फरोशी के दलदल से। रेस्क्यू किया है।

गिरफ्तार महिला दलाल ग्राहकों को स्पा सेंटर में काम करने वाली लड़कियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर वेश्याव्यवसाय का गोरख कारोबार ठाणे से लेकर न्यू मुंबई, मुंबई और मीरा भायंदर में चला रही थी। गिरफ्तार महिला दलाल ने कितनी और लड़कियों को देहव्यापार में धकेला हैं व कितने ग्राहकों को जिस्म फरोशी के लिए लड़कियां सप्लाई की है उसकी भी जांच पड़ताल नवघर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही हैं। गिरफ्तार महीला आरोपी के उपर इठर की धारा 143(3) और पीटा एक्ट 4,5 के तहत कानूनी कारवाई और चार पीड़ीत लडकियो को महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया नवघर पुलिस स्टेशन की टिम कर रही हैं।यह पीटा एक्ट की कारवाई एमबीवीवी आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो तथा, जोन एक के डीसीपी राहुल चव्हाण वो नवघर पुलिस स्टेशन के सीनीयर पीआई धीरज कोली के मार्गदर्शन में नवघर पुलिस स्टेशन महीला पीआई तृप्ति देशमुख, पीएस आई संदीप व्हसकोटी, एएसआई रविकांत व्हनमारे, एचसी प्रदीप काटकर, एचसी अभिजीत ठाकुर, डीसीपी ऑफिस जोन एक के अक्षय पवार, नवनाथ पवार, उमेश अस्वार, महिला पुलिस ताई कांबले, दीपाली पवार और नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से कारवाई किया है।

## मानधन समिति के लाभार्थियों का सम्मान

### पद्मश्री सम्मानित तारपा वादक भिकल्या धिंडा का किया गया भव्य सत्कार

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पालघर जिला परिषद के ग्राम पंचायत विभाग के अंतर्गत राजर्षि शाहू महाराज वृद्ध साहित्यिक एवं कलाकार मानधन योजना की समिति बैठक आयोजित की गई। इस समिति की अध्यक्षता पालघर की जिलाधिकारी इंदुराणी जाखड ने की। इस अवसर पर योजना से लाभान्वित कुल 65 कलाकारों को आमंत्रित किया गया था। इस बैठक के दौरान समिति के पालकमंत्री-नियुक्त सदस्य एवं हाल ही में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध तारपा वादक भिकल्या धिंडा का विशेष सम्मान किया गया। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त होने पर उनका शाल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि भिकल्या धिंडा की यह उपलब्धि न केवल पालघर जिले बल्कि पूरे राज्य के लोककला क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस बैठक के अंतर्गत पालघर जिले के सभी कलाकारों की दस्तावेजों की जांच भी की गई। मानधन योजना का लाभ पारदर्शिता के साथ पात्र कलाकारों तक पहुँचे, इस उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन किये जाने की जानकारी दी गई।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त भिकल्या धिंडा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस समिति का ही एक कलाकार पद्मश्री सम्मान प्राप्त करता है, यह सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायक है। हममें से कोई भी इस सर्वोच्च सम्मान तक पहुँच सकता है।

उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि शासन द्वारा वृद्ध साहित्यिकों एवं कलाकारों को दी जाने वाली प्रतिमाह पाँच हजार रुपये की मानधन राशि उनकी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में एक मजबूत सहारा बन रही है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष समिति के अंतर्गत 100 इष्टांक निर्धारित किये जाते हैं तथा तय मानकों के आधार पर ही पात्र कलाकारों का चयन किया जाता है।

इस कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना निदेशक डॉ. रुपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सदस्य सचिव अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीफ मसलत, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर सहित जिला परिषद के सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में कृति सावे ने लहराया परचम

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** आरसीएफ कॉलोनी, थलझअलीबाग में 22 से 26 जनवरी 2026 के दौरान आयोजित 15वीं एवं 16वीं नेशनल फील्ड एवं इंडोर आर्चरी चैंपियनशिप में पालघर जिले की तीरंदाजी संस्था मैत्री आर्चर्स के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बोईसर निवासी समाजसेवी यजुवेंद्र सावे की सुपुत्री कृति यजुवेंद्र सावे ने सीनियर वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशेष पहचान बनाई। कृति सावे ने सीनियर फ्रीस्टाइल अनलिमिटेड कंपाउंड राउंड में भाग लेते हुए 1 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि बोईसर शहर एवं पालघर जिले का मान बढ़ा है। कृति की सफलता क्षेत्र की बेटियों एवं उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है।

कृति सावे के साथ-साथ मैत्री आर्चर्स के अन्य खिलाड़ियों ने भी विभिन्न आयु वर्गों में पदक जीतकर संस्था को गौरवान्वित किया। अन्य पदक विजेता खिलाड़ीयों में मेधांश संदीप वासुदेव झ अंडर-10 एवं अंडर-14 बॉयज

फ्रीस्टाइल रिकर्व (2 स्वर्ण, 1 कांस्य) , झील दीपक श्रेता - अंडर-14 एवं अंडर-19 फ्रीस्टाइल रिकर्व (2 स्वर्ण, 1 कांस्य ), खुशांत साईनाथ पाटील झ अंडर-14 फ्रीस्टाइल अनलिमिटेड कंपाउंड 2 स्वर्ण, समर्थ राजेश साठघरे झ अंडर-17 (1 रजत ), सीनियर मेन फ्रीस्टाइल रिकर्व 1 रजत, 1 कांस्य, चार्वी योगेश चावक झ सीनियर (2 रजत ), अंडर-17 गर्ल्स (1 कांस्य ), किमाया मंदर वैद्य झ अंडर-17 फ्रीस्टाइल अनलिमिटेड कंपाउंड (1 कांस्य ), मानस्वी मोर्डे झ अंडर-17 (1 स्वर्ण, 1 कांस्य ), 9 स्पॉट इवेंट में द्वितीय स्थान जानसी दिलेश पाटील झ अंडर-19 एवं सीनियर फ्रीस्टाइल रिकर्व (3 स्वर्ण ), पूर्वा सिद्धार्थ बाविस्कर झ सीनियर फ्रीस्टाइल अनलिमिटेड कंपाउंड (2 रजत ), ध्रुव जयंत सातघरे एवं यशवर्धन राजेश राउत झ सीनियर मेन फ्रीस्टाइल रिकर्व (2-2 रजत ), जयंत राजाराम सातघरे झ वेटरन फ्रीस्टाइल अनलिमिटेड कंपाउंड (1 स्वर्ण ) हासिल किया। इस महत्वपूर्ण सफलता पर मैत्री आर्चर्स के प्रशिक्षक जयंत सातघरे, संस्था के पदाधिकारी, अभिभावक एवं खेल प्रेमियों ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# दुष्कर्मी को आजीवन कारावास

**शादी का झांसा देकर नाबालिग का किया था अपहरण**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश रूपाली सक्सेना की अदालत ने लाइनबाजार थाना क्षेत्र निवासी 17 वर्षीय अनुसूचित जाति की पीड़िता का शादी का झांसा देकर अपहरण व दुष्कर्म करने के दोषी कुतुबुद्दीन निवासी ककोहिया, सिकरारा को कोर्ट ने आजीवन कारावास एवं 25,000 रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया। जुर्माना की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को देने का आदेश हुआ।

बता दे कि घटना की प्राथमिकी पीड़िता के भाई ने लाइन बाजार थाने में को दर्ज कराया था। वादी के अनुसार आरोपी कुतुबुद्दीन वादी की 17 वर्षीय बहन से फोन पर बात करके हमेशा बहलाता फुसलता था। 17 सितंबर 2022 को शादी का झांसा देकर उसका अपहरण कर पूना ले गया और उसके साथ दुराचार किया। दो अज्ञात लोगों ने भी उसके साथ दुराचार किया था। आरोपी ने उसे मारा पीटा और गालियां भी दिया। पीड़िता ने किसी प्रकार अपने घर वालों को फोन किया तब पुलिस वहां पहुंची। पीड़िता का पुलिस ने मेडिकल जांच व मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विवेचना करके कोर्ट में केस डायरी दाखिल की। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाया ।

# बक्शा क्षेत्र के फतेहगंज, बढ़ौना गांव में बायोगैस का सफलतापूर्वक कर रहे उपयोग

**दानिश सिद्दीकी**

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। के बढ़ौना गांव के निवासी अखिलेश कुमार सिंह पिछले कई दशकों से बायोगैस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह तकनीक न केवल रसोई के ईंधन का एक सुरक्षित विकल्प है, बल्कि खेती के लिए भी एक कीमती खाद का स्रोत है।

प्रमुख बिंदु, लंबा अनुभव अखिलेश बताते हैं कि उनके यहाँ पहला बायोगैस प्लांट 1984 में लगा था। तकनीकी समस्याओं के बाद अब वे आधुनिक 'जनता बायोगैस' मॉडल का उपयोग कर रहे हैं।

दोहरा लाभ, स्वच्छ ईंधन, पशुओं के गोबर के घोल से बनने वाली यह गैस खाना बनाने और चाय बनाने के लिए बेहतरीन है। यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें दुर्घटना का कोई खतरा नहीं है।

शक्तिशाली खाद बायोगैस संयंत्र से निकलने वाले अवशेष (स्लरी) में जबरदस्त उर्वरक शक्ति होती है, जो फसलों की पैदावार बढ़ाने में सहायक है।

> अखिलेश की जनपद के जिलाधिकारी एवं बक्शा ब्लॉक के बीडीओ से अपील है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में बायोगैस के प्रति जागरूकता बढ़ाएं और किसानों को इस टिकाऊ ऊर्जा स्रोत को अपनाने के लिए प्रेरित करें।

अखिलेश का मानना है कि आज के किसान इस तकनीक के प्रति थोड़े उदासीन हैं। गोबर घोलने और संयंत्र की समय पर सफाई न होने के कारण कई प्लांट बंद हो जाते हैं। क्षेत्र में इस तकनीक के प्रशिक्षित कारीगरों की कमी भी एक बड़ी बाधा है।

खेती-बारी में बायोगैस से ज्यादा फायदे की चीज कोई और नहीं है। अखिलेश का कहना है सरकार को चाहिए कि वह इस दिशा में और अधिक प्रोत्साहन दे। अखिलेश कुमार सिंह,स्थानीय किसान है।

# शिवरात्रि के बाद काशी आ सकते हैं पीएम

**◆ हजारों करोड़ की विकास सौगात की संभावना**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिवरात्रि के बाद काशी दौरे पर आ सकते हैं। संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न विभागों से उन योजनाओं और परियोजनाओं की सूची मांगी गई है, जिनका शिलान्यास या लोकार्पण प्रधानमंत्री कर सकते हैं। अनुमान है कि इस दौरे में काशी को एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात मिल सकती है। तैयार सूची में सिग्नेचर रेल रोड ब्रिज, सोलर पार्क, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), नई सड़कें, फ्लाईओवर, ग्रामीण एवं शहरी कनेक्टिविटी से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

इसके अलावा कमिश्नरी परिसर में मंडलीय एकीकृत कार्यालय भवन, नगर निगम का नया सदन, रामनगर क्षेत्र में वृद्धाश्रम एवं वर्किंग वूमेन हॉस्टल का शिलान्यास भी संभावित है। ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी पहल के तहत सर्किट हाउस परिसर में प्रदेश का पहला साइलेंट सब स्टेशन स्थापित किए जाने की तैयारी है।

लोक निर्माण विभाग की कई सड़क परियोजनाएं, एनएचएआई के हाईवे प्रोजेक्ट, जिला अस्पतालों में डे-केयर सेंटर तथा बनारस रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन के शिलान्यास को भी एजेंडे में शामिल किया गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं की सूची तैयार कर प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी, ताकि दौरे के दौरान विकास कार्यों का व्यापक कार्यक्रम सुनिश्चित किया जा सके।

# बारिश से बचने के लिए सड़क किनारे खड़े वाहनों का पुलिस ने किया ऑनलाइन चालान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में भारी बारिश के बीच जियामऊ पुल से एक वीडियो सामने आया है, जिसने लखनऊ पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज बारिश से बचने के लिए जैसे ही लोग अपनी गाड़ियाँ सड़क किनारे रोककर खड़े हुए, वैसे ही पुलिस ने राहत देने के बजाय खड़ी गाड़ियों के ऑनलाइन चालान काटना शुरू कर दिया। वीडियो

सामने आने के बाद शहरवासियों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि वे बारिश से बचने के लिए मजबूरी में रुके थे, लेकिन पुलिस ने इंसानियत दिखाने के बजाय नियमों की सख़्ती दिखाई। यह घटना यूपी के डीजीपी आवास से महज कुछ मीटर की दूरी पर हुई, जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लखनऊ पुलिस की काफी किरकिरी हो रही है।

# डीएम ने किया विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा कार्यालय खंड विकास अधिकारी सुजानगंज में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने एईआरओ से नोटिस निर्गत करने की प्रकिया, अपलोड, नोटिस वितरण, साक्ष्य मिलान सहित अन्य बिंदुओं पर अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि

नोटिस निर्गत करने के उपरांत अनमैप्ड मतदाताओं के साक्ष्य मिलान हेतु सुनवाई की प्रकिया में तेजी लाई जाए, जिससे समयबद्ध रूप से इस कार्य को पूर्ण किया जा सके। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राकेश कुमार, एईआरओ, सुपरवाइजर, बीएलओ सहित अन्य उपस्थित रहे।

## डीएम ने की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष गहन प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष गहन प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक संपन्न हुई। इस दौरान उन्होंने अनमैप्ड डाटा के संबंध में नोटिस निर्गत किए जाने की अद्यतन जानकारी से उपस्थित प्रतिनिधिगण को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि माननीय भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में फॉर्म 6, 7, 8 प्रत्येक मतदेय स्थल पर उपलब्ध कराया गया है तथा सतत रूप से इस पर कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों मुंगराबादशाहपुर एवं मछलीशहर में सुनवाई की प्रगति को बढ़ाने हेतु राजनैतिक दलों से अधिक सहयोग की अपेक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के सहयोग से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य सुगमता से संपादित किया जा रहा है। इसके साथ ही फॉर्म-6 प्राप्त करने में यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो रही हो तो तत्काल अवगत कराने की अपेक्षा की गई, इसके साथ ही फॉर्म-7 भरने की प्रक्रिया के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति, जिलाध्यक्ष सपा राकेश मौर्य, भाजपा से यादवेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष कांग्रेस राकेश सिंह, सीपीआईएम से के.एस. रघुवंशी, भाजपा से सुदर्शन सिंह, सहित अन्य सम्मानित प्रतिनिधिगण राघुनाथ यादव, गुलाबचंद यादव, आरिफ हबीब, श्याम बहादुर यादव, विजय कुमार पटेल, पियूष गुप्ता, चन्द्रेज भारती, स्कंद कुमार पटेल, जयप्रकाश पटेल, सुनील कुमार यादव, उपजिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा सहित अन्य उपस्थित रहे।

# उद्योग-अकादमिक तालमेल से बढ़ेंगे रोजगार के अवसरः प्रो.प्रदीप कुमार

**◆ पीयू में एसएनजे टोयोटा ने लिया साक्षात्कार**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 'केन्द्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल' (उळढउ) में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'रोजगार अवसर कार्यक्रम' का मंगलवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी एसएनजे टोयोटा ने विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों का साक्षात्कार कर उन्हें 'सेल्स ऑफिसर' पद के लिए चयनित किया।

चयन प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहीं एसएनजे टोयोटा, जौनपुर की ग्रुप हेड (मानव संसाधन) सारिका सिंह ने बताया कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में युवाओं के लिए करियर की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल रोजगार देना ही नहीं, बल्कि युवाओं को उद्योग की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर किए जाएंगे।

सीटीपीसी परिसर में आयोजित

इस साक्षात्कार प्रक्रिया में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कंपनी के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों की संवाद क्षमता (Communication Skills), बाजार की समझ और ग्राहक सेवा कौशल का सूक्ष्मता से मूल्यांकन किया। कार्यक्रम के समापन पर सीटीपीसी के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने एसएनजे टोयोटा की टीम का आभार प्रकट किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयासरत है कि विद्यार्थियों को कैंपस से ही प्रतिष्ठित संस्थानों में नियुक्ति मिल सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच ऐसा जीवंत सहयोग प्लेसमेंट तंत्र को और अधिक सशक्त बनाता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. सुशील कुमार, श्याम त्रिपाठी सहित छात्र सदस्य दिव्यांशु, संजय, रुद्रांश चतुर्वेदी, श्रेया मिश्रा और गौरव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# श्री साईं श्रद्धा मेमोरियल हॉस्पिटल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ शिविर, सैकड़ों रोगियों ने उठाया लाभ

**जितेन्द्र कन्नौजिया**

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।

स्थानीय क्षेत्र के सरायबीरू में स्थित श्री साईं श्रद्धा मेमोरियल हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान लगभग सैकड़ों मरीज शिविर में पहुंचकर जांच व स्वास्थ्य परीक्षण कराये। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों एवं स्वास्थ्य शिविर में आने वालों की जाँच की एवं उनका उपचार कर स्वास्थ्य संबंधित चिकित्सा परामर्श भी दिया। शिविर में आने वाले मरीजों के लिये पंजीयन सहित अन्य व्यवस्थाओं हेतु कई काउंटर की व्यवस्था की गई थी। डॉ.ए. के. यादव ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ग्रामीण अंचल के मरीजों के इलाज की सुविधा के लिये शिविर के आयोजन का सिलसिला प्रारंभ किया गया है। शिविर में आये अंतिम व्यक्ति का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। अनेक जाँचे भी कराई गई। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों तक निःशुल्क चिकित्सा सेवा को पहुंचाना है। इस अवसर पर डा. एम. के.कश्यप (एम. बी.बी एस. डीएनवी एम.डी.), डा. विकास सिंगी (एम.बी.बी एस. एम.एस. डीएनवी अर्थो), डा. प्रतीक्षा देवी (बी.ए. एम एस सीसीवाईपी), डा. प्रणव नंदन त्रिपाठी (एम. एस) समेत हॉस्पिटल के समस्त स्टॉप मौजूद रहे।

# स्वर्णकार समाज ने पहली बार धूमधाम से मनाई भगवान नरहरि जी की जयंती

**विशाल सोनी**

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वर्णकार समाज द्वारा पहली बार भगवान नरहरि जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाई गई। इस ऐतिहासिक अवसर

पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। आयोजन स्थल पर भक्ति, एकता और सामाजिक चेतना का अद्भुत वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सुशील सेठ बागी रहे, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी बनारसी सेठ ने की। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान नरहरि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने उनके जीवन, आदर्शों और समाज के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने भगवान नरहरि जी को स्वर्णकार समाज का आराध्य देव बताते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए त्याग, परिश्रम, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों का प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता मजबूत होती है और नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ती है।

**◆ श्रद्धा व एकता का दिखा अनुपम संगम**

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अभिषेक सोनी, रितेश सोनी, सूरज सोनी, सुचित कुमार वर्मा, सुजीत सोनी, राकेश सोनी, चेतन सोनी, महेंद्र कुमार वर्मा, सचिन वर्मा, मनोराम सेठ, अमन सेठ, रमेश सेठ, राम पलट सेठ, रामू सेठ, करन सेठ, ह्यपार्थह्न, राजकुमार सेठ ह्यअश्कह्न सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर आयोजक सुशील सेठ बागी ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं समाज के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप देने का संकल्प लिया। आयोजन सौहार्दपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# एफआईआर की मांग पर थाने में हंगामा

**प्रयागराज में महिला अधिवक्ता प्रत्याशी ने आत्मदाह की कोशिश की**

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सिविल लाइन थाना सोमवार को उस वक्त अफरातफरी का केंद्र बन गया जब बार काउंसिल सदस्य पद की एक महिला प्रत्याशी ने अपने विरोधी प्रत्याशी पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए आत्मदाह करने का प्रयास किया। महिला अधिवक्ता आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर महिला कोतवाली पहुंची थी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला का कहना था कि जब तक आरोपी प्रत्याशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वह थाने से नहीं हटेंगी। इसी दौरान वह हाथ में माचिस और ज्वलनशील पदार्थ लेकर थाने के भीतर बैठ गईं और आत्मदाह का संकेत दिया।

स्थिति उस समय गंभीर हो गई जब पुलिस कर्मियों ने महिला को आत्मदाह के लिए तैयार अवस्था में देखा। अचानक बने हालात से थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी घबरा गए। हालांकि तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला से माचिस और ज्वलनशील पदार्थ हटवाया गया और उसे सुरक्षित तरीके से थाना परिसर में बैठा लिया गया।

फिलहाल महिला सुरक्षित है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

यह घटना केवल एक व्यक्तिगत आरोप या चुनावी टकराव का मामला नहीं है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है कि जब एक अधिवक्ता और प्रत्याशी को एफआईआर दर्ज कराने के लिए इस हद तक जाना पड़े, तो शिकायत निवारण प्रणाली कितनी प्रभावी है। आत्मदाह जैसे कदम को जायज नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह जरूर स्पष्ट करता है कि शिकायतकर्ता खुद को किस स्तर तक असहाय महसूस कर रही थी। अब असली परीक्षा पुलिस की है कि वह आरोपों की निष्पक्ष जांच करती है या मामला केवल स्थिति संभालने तक सीमित रह जाता है।

## बदलापुर पुलिस ने अपहरण के मुकदमे में एक वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक बदलापुर के नेतृत्व में थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास करते हुए थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-408/2025 धारा-137(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित अपहृता को किया गया बरामद तथा वांछित आरोपी राकेश निषाद उर्फ राकेश नाविक पुत्र स्व0 रामसरण उर्फ शर्मा निषाद निवासी ग्राम डड़वा थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को आर्य इण्टर कालेज तिराहा के पास बहद ग्राम लेदुका से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

# मुंशी/मौलवी एवं आलिम परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि रजिस्ट्रार/निरीक्षक उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा संचालित वार्षिक परीक्षा वर्ष-2026 के मुंशी/मौलवी एवं आलिम, की परिक्षाएं निर्गत समय-सारणी के अनुसार 17 फरवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 के मध्य संचालित होने वाली दोनों पालियों के समस्त मुंशी/मौलवी एवं आलिम स्तर की मान्यता प्राप्त मदरसों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, डेस्क स्लिप एवं उपस्थिति पत्रक मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन जारी कर दिये गये हैं मदरसों द्वारा अपने लॉग इन से प्रवेश पत्र डाउनलोड करते हुये मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा अपने हस्ताक्षरोंपरान्त सम्बन्धित परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराये जाय तथा डेस्क स्लिप एवं उपस्थित पत्रक परीक्षा केन्द्र की लागिन "https://madarsaboard.upsdc.gov.in पर उपलब्ध है, जिसको परीक्षा केन्द्र द्वारा स्वयं डाउनलोड कर लिया जाय तथा परीक्षा केन्द्र द्वारा अपनी लॉग इन से परीक्षा पाली की समाप्ति के उपरान्त मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जायेगी परीक्षा केन्द्रों का प्रारम्भिक पासवर्ड इनीशियल पासवर्ड उपलब्ध करा दिया गया है जिसको केन्द्र व्यवस्थापक तत्काल अपडेट कर ले। उपरोक्त के क्रम में समस्त प्रबन्धक/प्रधानाचार्य/लिपिक 14 फरवरी 2025 से पूर्व सम्बन्धित मदरसे परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर ससमय वितरित कर दें।

# सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने नारी आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारंभ

**नारी आत्मसम्मान के लिए मानसिक मजबूती जरूरीः कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जौनपुर के सभागार में नारी सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ₹तेजस्विनी₹ नारी आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया, जिसका संचालन प्रतिदिन मरदानपुर स्थित सखी वेलफेयर के कार्यालय पर किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, विशिष्ट अतिथिगण भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, तलवारबाजी प्रशिक्षक लालजी निषाद, सहकार भारती जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रिंकू, जिला बाल्य कार्य प्रमुख नारायण चौरसिया एवं सखी वेलफेयर टीम के पदाधिकारी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से किया। तत्पश्चात सखी पिंकी जायसवाल एवं दिव्या साहू ने वह शक्ति हमें दो दयानिधे का वाचन कर प्रार्थना कराया।

इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने तेजस्विनी आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि बिना आधी आबादी के सशक्त बने, समाज का विकास संभव नहीं है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्था द्वारा नई सोच, नई उड़ान मुहिम के तहत किशोरियों को लाठी चलाने, तलवारबाजी करने तथा आत्मरक्षा के लिए विभिन्न गुण सीखाने का संकल्प लिया गया है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चियों को शारीरिक मजबूती के साथ-साथ मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है क्योंकि मानसिक मजबूती के बिना गलत प्रवृत्ति के लोगों से बचाव करना संभव नहीं होगा। विशिष्ट अतिथि अजीत

प्रजापति ने उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों को शिक्षा के साथ संस्कार विषय पर अपने सारगर्भित संबोधन से प्रेरित किया।

कार्यक्रम में तलवारबाजी प्रशिक्षक लालजी निषाद के आदर्श अखाड़ा, कालीकुत्ती के बच्चों ने लाठी, तलवार व अन्य युद्ध कौशल के कलाबाजी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तत्पश्चात संस्था के पदाधिकारियों ने क्रीड़ा भारती के सह मंत्री सोमेश कुमार गुप्ता सहित प्रशिक्षु बच्चों ऋषभ निषाद, आदित्य शुक्ला, रौनक निषाद, राजवंश गुप्ता, राजकुमार निषाद, अंश आदि को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्रम से सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन महासचिव अर्चना सिंह, स्वागत उद्बोधन स्वर्णिमा जायसवाल एवं अंत में उपस्थित सभी के प्रति आभार संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष तूलिका श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर संस्था की कोषाध्यक्ष सरला माहेश्वरी, सुजाता जायसवाल, तसनीम जैदी, मीनू बरनवाल, रजनी साहू, चंदा बरनवाल, दीपा साहू, आरती सिंह, शकुंतला मौर्य, जीजीआईसी की शिक्षिकायें माला सिंह, सावित्री विश्वास, गरिमा सिंह, मधुबाला सिंह, नेहा श्रीवास्तव, स्मृति पांडे, नीलम सिंह, आक्सीर फातिमा, शालिनी मौर्य, रेखा यादव, मीरा देवी, बैतूल अजरा सहित सैकड़ो विद्यार्थी बच्चियों उपस्थिति रहीं।

## जिलाधिकारी अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिला आबकारी अधिकारी, जौनपुर को निर्देशित किया गया कि शराब की समस्त

दुकानों को खाद्य अनुज्ञप्ति से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें तथा जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त विद्यालयों (जहां पर मध्याह्न भोजन तैयार किया जाता है) को खाद्य पंजीकरण से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आंगबाड़ी केन्द्रो पर वितरित किये जाने वाले खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित समस्त केन्द्रो को खाद्य पंजीकरण से आच्छादित कराना सुनिश्चित करें । साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को निर्देशित किया गया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद स्थित मिठाई की दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ स्वच्छ गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्ट्रेट सहित समिति के समस्त सदस्य तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## मुंबईः उत्तर मध्य मुंबई की सांसद वर्षा ताई गायकवाड को जन्मदिन की शुभकामनाएं

**मुंबई।** उत्तर मध्य मुंबई की लोकप्रिय सांसद वर्षा ताई गायकवाड को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। चेंबूर (पूर्व), मुंबई स्थित उनके निवास पर समाजसेवकों एवं शुभचिंतकों ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लालाभाई), समाजसेविका श्रद्धा जी, चंदन प्रजापती सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने वर्षा ताई गायकवाड के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। वर्षा ताई गायकवाड ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए अल्पहार की व्यवस्था कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण रहा।

## वसई विरार महानगर पालिका में बबिआ का वर्चस्व कायम,अजीव पाटिल महापौर व मार्शल लोपिस उपमहापौर बने

**लाल शेखर सिंह**

**पालघर (उत्तरशक्ति)।** वसई-विरार महानगर पर बहुजन विकास आघाडी एक बार पुनः अपना वर्चस्व स्थापित करने में सफल रही।इस बार मनपा चुनाव में बहुमत के जादुई आँकड़े को प्राप्त करके बहुजन विकास आघाडी अजीव पाटिल को महापौर एवं मार्शल लोपिस को उपमहापौर बनाने में कामयाब रही। भाजपा भी महापौर और उपमहापौर इन दोनों पदों के लिए अपना प्रत्याशी उतारी थी लेकिन जो 44 नगर सेवक थे उन्हीं लोगों ने हाथ उठाकर मतदान किया दूसरी तरफ बबिआ के 71 सदस्य थे उन लोगों ने एक मुश्त हाथ उठाकर बबिआ के पक्ष में समर्थन किया और इस बहुमत से बहुजन विकास आघाडी वसई-विकास महानगर पालिका पर वर्षों से कायम वर्चस्व को स्थापित करने में कामयाब रही। बहुजन विकास आघाडी को मिली इस जीत में लोक नेता पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर, वसई-विरार मनपा की प्रथम महिला महापौर प्रवीणा ठाकुर एवं पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही,वर्षों से क्षेत्र में इन के मार्गदर्शन में किये गये चहुमुखी विकास कार्यों को देखते हुए जनता ने बहुजन विकास आघाडी पर विश्वास जताते हुए पार्टी को बड़ी जीत दिलवायी है। अब देखना यह है कि क्या अब जिस विश्वास से लोगों ने मतदान करके बहुजन विकास आघाड़ी पार्टी को जिताया है क्या जनता के भरोसो पर खरे उतरते हैं।

## मीरा भायंदर महानगरपालिका में डिंपल बिनोद मेहता को महापौर व धुव्रकिशोर पाटील उपमहापौर चुना गया

**उदयभान गुप्ता**

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मीरा भायंदर महानगरपालिका में हुए महापौर और उपमहापौर के चुनाव में डिंपल बिनोद मेहता को महापौर तथा धुव्रकिशोर पाटील को उपमहापौर चुना गया। चुनाव परिणामों की घोषणा होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवनिर्वाचित महापौर डिंपल बिनोद मेहता ने अपनी जीत के बाद कहा कि वे मीरा-भायंदर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगी और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देंगी। वहीं उपमहापौर धुव्रकिशोर पाटील ने भरोसा दिलाया कि वे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर शहर की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। महानगरपालिका के इस नए नेतृत्व से शहर के विकास कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

## सांसद प्रतिनिधि के पिता के निधन पर विशिष्ट जनों ने दी श्रद्धांजलि

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** सदर लोकसभा सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के प्रतिनिधि, मियांपुर निवासी मनोज मौर्य के पिता, अधिवक्ता एवं पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट जौनपुर के त्रयोदशाह संस्कार में मंगलवार को विशिष्ट जनों ने श्रद्धांजलि दी। श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट जनों और क्षेत्र वासियों का तांता लगा रहा। नेता प्रतिपक्ष एवं शिक्षक विधायक लाल बिहारी यादव एवं सपा के पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उक्त लोगों ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। उन्होंने आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों का सिलसिला जारी रहा। मौके पर सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, सपा नेता व बेगमगंज के सभासद जगदीश मौर्य गप्पू , डॉ.अंजना सिंह सहित अन्य लोगों ने आत्मा की शांति के लिए शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

## सोनालीका ने 10 महीनों में शानदार बिक्री प्रदर्शन दर्ज की

**पटना(उत्तरशक्ति)।** 30वें वर्षगाँठ की शानदार शुरूआत करते हुए सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के 10 महीनों के दौरान 151604 ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज कुल बिक्री दर्ज की है। भविष्य के लिए तैयार तकनीकों से लैस हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा सोनालीका ने विभिन्न क्षेत्रों में कृषि समृद्धि का नेतृत्व करना जारी रखा है और यह बदलते कृषि परिदृश्य में निरंतर वृद्धि देने की कंपनी की क्षमता को दशार्ता है। इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का अब तक का सबसे तेज आंकड़ा दर्ज करके हम बेहद प्रसन्न हैं। इससे हमें 2026 में अपने 30वीं वर्षगाँठ के लिए एक मजबूत शुरूआत मिली है। यह हमारे इस सरल विश्वास की पुष्टि करता है कि निरंतर विकास मजबूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित होता है और हमारे ब्रांड पर किसानों का भरोसा एक स्पष्ट प्रमाण है।

# हंगामा ओटीटी की लोकप्रिय एंथोलॉजी हसरतें सीजन 3 के साथ लौटी

**मुंबई।** भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म में से एक हंगामा ओटीटी ने हसरतें सीजन 3 के लॉन्च की घोषणा की है। यह इसकी बेहद पसंद की जाने वाली एंथोलॉजी का अगला अध्याय है, जो महिलाओं की भीतरी दुनिया, अनकही इच्छाओं और शांत विद्रोह को लगातार सामने लाता रहा है। पहले दो सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह सीजन और ऊंचा स्तर तय करता है। इसमें दमघोंटू शादियां, सख्त परंपराएं, राजनीतिक इस्तेमाल और भावनात्मक उपेक्षा से गढ़ी गई जिंदगियों की परतें खोली गई हैं।

सालों में, हसरतें ने उन कहानियों के लिए एक मजबूत जगह बनाई है, जो अक्सर अनकही रह जाती हैं। महिलाओं की इच्छाओं, पहचान और सामाजिक बंधनों के बीच के संघर्ष को ईमानदारी और बेबाकी से दिखाने के कारण इसने दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाया है। सीजन 3 में यह शो छह दमदार एपिसोड लेकर आया है, जिनमें थ्रिलर, क्राइम और ड्रामा के तत्व शामिल हैं। हर कहानी साहसी, निजी और पूरी तरह मानवीय है। हसरतें सीजन 3 के पहले दो एपिसोड 22 जनवरी को रिलीज हुए, इसके बाद 27 जनवरी को दो एपिसोड आए और अंतिम दो एपिसोड 4 फरवरी को रिलीज किए गए। हसरतें सीजन 3 छह मजबूत कहानियों के जरिए उन महिलाओं की यात्रा दिखाता है, जो चुप्पी, संघर्ष और आत्मबोध के बीच रास्ता तलाश रही हैं। हल्ला बोल में ज्योति की कहानी है, जो एक प्रताड़ित पत्नी है और राजनीति में कठपुतली की तरह धकेल दी जाती है, लेकिन धीरे-धीरे अपनी आवाज ढूंढती है और नियंत्रण के खिलाफ खड़ी होती है। ब्यूटी पार्लर में लखनऊ की ब्यूटीशियन सलमा गरीबी, मातृत्व और उपेक्षित शादी के बीच संतुलन बनाते हुए अपनी गरिमा की कीमत पर मिलने वाली सुरक्षा का सामना करती है।

मिडनाइट ब्राइड अनन्या की कहानी है, जो एक युवा विधवा है और हवेली में सख्त नियमों में बंधी हुई है, जहां कला और एक अनपेक्षित मौजूदगी के जरिए उसकी दबाई गई इच्छाएं सामने आती हैं। दो अनजाने में एक प्रताड़ित पत्नी और एक झूठे आरोप में फंसे शख्स की मुलाकात दंगों से भरी एक रात में होती है, जहां दोनों को नाजुक सी उम्मीद मिलती है। गुपचुप रसोई में नजरअंदाज की गई फूड कॉलम्निस्ट निर्मला को अपनी रसोई में विद्रोह की जगह मिलती है, जहां उसे पहचान भी मिलती है और खतरा भी। वहीं नया किरायेदार में स्मिता की खामोश तड़प दिखाई गई है, पति के गायब होने के बाद उसकी जिंदगी लगातार निगरानी में गुजर रही है, जिसे एक युवा संगीतकार की एंट्री हिला देती है। अपने किरदार और कहानी के बारे में बात करते हुए मोनालिसा कहती हैं, गुपचुप रसोई बिना शोर किए आजादी की कहानी है। मुझे ऐसे फेमिनिस्ट किरदार निभाना सच में पसंद है, जो महिलाओं, उनकी आत्मसम्मान और खुद को प्राथमिकता देने की जरूरत पर बात करते हैं।

## महिलाओं द्वारा वाद-विवाद व मारपीट में 10 महिला आरोपी गिरफ्तार

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस टीम द्वारा थाना गेट के पास दो-पक्षों की महिलाओं द्वारा वाद-विवाद व मारपीट करने वाली 10 महिला आरोपीगण को गिरफ्तार कर किया गया चालान। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में प्र0नि0 कोतवाली के नेतृत्व में आज दिनांक 03-02-2026 को समय करीब 17.00 बजे थाना गेट के पास दो-पक्षो की महिलाए आपस मे वाद विवाद व मारपीट कर रही थी। जिससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। जिसमे दोनो पक्षो की महिलाओ को चिन्हित कर महिला पुलिस टीम की मदद से कुल 10 महिलाओ को हिरासत मे लिया गया एवं चौकी प्रभारी पुरानी बाजार मंजय यादव के लिखित तहरीर पर उपरोक्त महिलाओ के विरुद्ध मु0अ0सं0-24/26 धारा 191(2)115(2)352/351(3) बीएनएस व 7सीएलए एक्ट पंजीकृत किया गया तथा उपरोक्त महिलाओ के विरुद्ध शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत 170/126/135 बीएनएसएस की कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष प्रेषित किया गया। विवरण,फिजा पुत्री मंजूर अली अचलाघाट सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर ,मायरा फात्मा पुत्री जहीर अब्बास अचलाघाट सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर,कनिश बानो पुत्री अकरम अली अचलाघाट सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर, रबिया पत्नी ओन अली अचलाघाट सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर, शकीला पुत्री यूसूफ अली निवासी अचलाघाट सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर,सफिया पुत्री इरफान निवासी सदर इमाम बाडा गोकुल घाट थाना कोतवाली जौनपुर, रुकसार पत्नी शम्स अली निवासी सदर इमाम बाडा गोकुल घाट थाना कोतवाली जौनपुर,कायनात फात्मा पुत्री इरफान निवासी सदर इमाम बाडा गोकुल घाट थाना कोतवाली जौनपुर, खानम फात्मा पुत्री इरफान निवासी सदर इमाम बाडा गोकुल घाट थाना कोतवाली जौनपुर, फातिमी पुत्री अकरम अली निवासी सदर इमाम बाडा गोकुल घाट थाना कोतवाली जौनपुर।

## महाराष्ट्र सरकार की ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 के साथ साझेदारी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 के साथ मुख्य स्टेट पार्टनर के रूप में अपनी साझेदारी की घोषणा की है। यह समिट महाराष्ट्र के मजबूत नीतिगत ढांचे, रणनीतिक पहलों और निवेशक-अनुकूल सिस्टम को वैश्विक बिजनेस लीडर्स, नीति निमार्ताओं और संस्थागत निवेशकों के सामने प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करेगा।

डॉ. पी. अंबलगन, आईएएस, प्रधान सचिव, उद्योग, निवेश एवं सेवा विभाग, महाराष्ट्र सरकार ने कहा, महाराष्ट्र में वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश देखने को मिला है। यह राज्य की नीतियों और विकास दृष्टिकोण में भारतीय तथा वैश्विक कंपनियों के विश्वास को दशार्ता है। ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 के साथ हमारी साझेदारी हमें दुनियाभर के निवेशकों से जुड़ने, विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अवसरों को प्रस्तुत करने और स्थायी औद्योगिक एवं तकनीकी विकास में सहायता करने में महाराष्ट्र की भूमिका को मजबूत करेगी। ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 महाराष्ट्र को ऐसी नीतिगत पहलों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, कुशल वर्कफोर्स और सुविकसित औद्योगिक आधार के साथ, राज्य तकनीक, एयरोस्पेस और रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स, फार्मास्यूटिकल्स एवं केमिकल्स, ऑटोमोटिव, टेक्सटाइल्स आदि जैसे क्षेत्रों में अवसर प्रदान करता है। राज्य ना केवल प्रमुख शहरों बल्कि टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों में भी निवेश को लगातार बढ़ावा दे रहा है।

महाराष्ट्र भारत की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है, जो देश के जीडीपी में 13.6% से अधिक का योगदान देता है। 2029-2030 तक ट्रिलियन-डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ, राज्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, नौकरियां पैदा करने और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने पर फोकस कर रहा है। इस नजरिये को और मजबूत करने के लिए, सरकार ने हाल ही में महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज, इन्वेस्टमेंट एंड सर्विसेज पॉलिसी 2025 और महाराष्ट्र ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी 2025 को मंजूरी दी है।

महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज, इन्वेस्टमेंट एंड सर्विसेज पॉलिसी 2025 राज्य की अगले दशक में औद्योगिक और सेवा-आधारित विकास को मजबूत करने की रणनीति तय करती है। यह घरेलू और विदेशी निवेश आकर्षित करने, विनिर्माण और सेवाओं का समर्थन करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और व्यवसाय करने में आसानी लाने पर केंद्रित है। नीति एमएसएमई विकास, रोजगार सृजन और सतत औद्योगिक विकास पर भी जोर देती है। इसमें यूनिफाइड डिजिटल प्लेटफॉर्म, 'इन्वेस्ट महाराष्ट्र' के लॉन्च जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं शामिल हैं, जो निवेशकों को शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करने और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच तालमेल बनाने के लिए

## बिहार में रोबोटिक सर्जरी की नई शुरूआत

**पटना(उत्तरशक्ति)।** एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल इंक.भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित सर्जिकल रोबोटिक प्रणाली की अग्रणी कंपनी, ने बिहार में अपनी राष्ट्रव्यापी मेड-इन-इंडिया मंत्राएम सर्जिकल रोबोट यात्रा को जारी रखते हुए तीन प्रमुख शहरों मुजफ्फरपुर, बिहटा और पटना में सफल प्रदर्शन किया। बिहार चरण की शुरूआत 21 जनवरी 2026 को आरडीजे मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर से हुई, जहाँ सर्जनों, स्त्री रोग विशेषज्ञों और मेडिकल फैकल्टी को मंत्रा 3.0 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई। 22 जनवरी 2026 को मंत्राएम मोबाइल सिमुलेशन यूनिट नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज, बिहटा पहुँची। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर कृष्ण मुरारी एवं एमेरिटस सर्जन डॉ. निर्मल कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। यात्रा का समापन 23 जनवरी 2026 को रुबन हॉस्पिटल, पटना में हुआ, जहाँ सर्जरी, स्त्री रोग और यूरोलॉजी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। डॉ. पी. एन. प्रसाद, जीआई एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन, आरडीजे मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर ने कहा, मंत्राएम मोबाइल सिमुलेशन यूनिट के माध्यम से रोबोटिक सर्जरी का अनुभव हमारे फैकल्टी और रेजिडेंट्स के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। डॉ. रमेश अजय, एचओडी सर्जरी, नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज, बिहटा ने कहा, मंत्राएम यात्रा एक दूरदर्शी पहल है, जो उन्नत सर्जिकल तकनीक को सीधे शिक्षण संस्थानों तक लाती है। डॉ. सत्यजीत सिंह, ओनर, रुबन हॉस्पिटल, पटना ने कहा, रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी सटीकता आधारित स्वास्थ्य सेवा का भविष्य है। आरडीजे मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर में हुए सत्रों में सर्जरी विभाग से डॉ. पी. एन. प्रसाद, डॉ. पियूष भारद्वाज और स्त्री रोग विभाग से डॉ. रश्मि सहित कई प्रमुख चिकित्सकों ने सक्रिय भागीदारी की। बिहटा में हुए कार्यक्रम में सर्जरी विभाग से डॉ. रमेश अजय, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. निरुपम सिन्हा, डॉ. अभिषेक कुमार और स्त्री रोग विभाग से डॉ. विनिता सहाय, डॉ. त्रिपरी सिन्हा, डॉ. नमिता श्रीवास्तव, डॉ. जहानवी सिंह, डॉ. स्वाति एवं डॉ. बिंदु शामिल रहीं। पटना स्थित रुबन हॉस्पिटल में डॉ. सत्यजीत सिंह, डॉ. कुमार सोनल, डॉ. रवि, डॉ. रिचा, डॉ. नेहा और डॉ. अमित सहित कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया।

## अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथरा

**बलिया(उत्तरशक्ति)।** यूपी के बलिया जिले के खेजुरी थाना क्षेत्र के हथौज गांव में मंगलवार को ग्राम सभा की गड़ही से अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व और पुलिस टीम को तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई शुरू होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया और देखते ही देखते पुलिस व ग्रामीण आमने-सामने आ गए। दोनों ओर से जमकर ईंट-पत्थर चले। हालात बेकाबू होते देख पुलिस को करीब दस राउंड आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े, लेकिन सैकड़ों की संख्या में मौजूद महिलाएं और पुरुष डटे रहे।

करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे और टकराव के बाद पहुंचे अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन ने सरकारी गड़ही पर अवैध रूप से निर्मित दो मकानों को जमींदोज करा दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। ग्राम सभा की करीब चार बीघा क्षेत्रफल वाली गड़ही के एक किनारे गांव के रामगोविंद और रामबचन का मकान बना हुआ था। गांव निवासी सिद्धार्थ रंजन ने आरोप लगाया कि दोनों ने करीब छह डिसमिल भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराया है।

# टैरिफ की दीवार टूटी, कारपेट इंडस्ट्री में लौटी रौनक

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी(उत्तरशक्ति)।** वर्षों से ऊंचे टैरिफ की मार झेल रहे भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए भारत - अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (इंडिया - यूएस बीटीए) किसी संजीवनी से कम नहीं साबित हुआ है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने इस समझौते का स्वागत करते हुए इसे उस लंबे टैरिफ संकट से निर्णायक मुक्ति बताया है, जिसने बीते कुछ वर्षों में उद्योग की कमर तोड़ दी थी। कारोबारियों का कहना है कि अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत किए जाने की घोषणा ने वर्षों से संकट झेल रहे भारतीय कालीन उद्योग में नई जान फूंक दी है। इस फैसले के बाद देश की प्रमुख कालीन पट्टी भदोही, मिजार्पुर और वाराणसीउ में उत्साह का माहौल है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद सहित उद्योग से जुड़े संगठनों, निर्यातकों और कारीगर प्रतिनिधियों ने इसे ऐतिहासिक राहत बताते हुए मोदी सरकार की मुक्त कंठ से सराहना की है।

सीईपीसी के अनुसार, अमेरिकी बाजार भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। भारत के कुल हस्तनिर्मित कालीन निर्यात का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को जाता है। लेकिन बीते वर्षों में अमेरिका द्वारा 50 फीसदी तक लगाए गए भारी टैरिफ ने भारतीय कालीनों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में न सिर्फ पीछे ढकेल दिया, बल्कि इस परंपरागत उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया था। नतीजा यह हुआ कि निर्यात घटा, ऑर्डर रुके, और भदोही, मिजार्पुर, बनारस, कश्मीर और राजस्थान जैसे कालीन केंद्रों में लाखों कारीगरों की आजीविका पर संकट मंडराने लगा। वाराणसी, जो डिजाइन, फिनिशिंग और निर्यात प्रबंधन का अहम केंद्र है, वहां भी कारोबार ठहराव की स्थिति में पहुंच गया था। सीईपीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह के नेतृत्व में सरकार द्वारा की गई सतत और सशक्त व्यापार कूटनीति की सराहना की है। परिषद का कहना है कि सरकार ने वैश्विक मंचों पर भारतीय उद्योग की पीड़ा को मजबूती से रखा और उसी का परिणाम है कि अब भारतीय कालीनों के लिए अमेरिकी बाजार के दरवाजे दोबारा खुल गए हैं। इस ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए सीईपीसी के पूर्व चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह, परिषद के पूर्व प्रशासनिक सदस्य उमेश गुप्ता ह्यमुन्नाह्व, योगेंद्र राय ह्यकाकाह्व, संजय मेहरोत्रा, रवि पाटोदिया, ओपी गुप्ता, धरम प्रकाश गुप्ता, प्रहलाददास गुप्ता, संजय गुप्ता, बृजेश गुप्ता, राजेंद्र मिश्रा, घनश्याम शुक्ला, ओमकारनाथ मिश्रा, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, बच्चा मिश्रा सहित कई वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधियों ने इसे कालीन उद्योग के लिए टर्निंग पॉइंट बताया। एकमा के पूर्व अध्यक्ष हाजी शौकत अली अंसारी, वर्तमान अध्यक्ष रजा खान, अहसन रऊफ खान, असलम महबूब अंसारी, रोहित गुप्ता, कुलदीप राज बॉटल, कुंवर शमीम अंसारी, पंकज बरनवाल, रूपेश बरनवाल, डॉ. ए.के. गुप्ता, श्यानारायण यादव, छविराज पटेल, रवि बरनवाल, दीपक खन्ना, शारीक अंसारी, वासिफ अंसारी और रियाजुल हसनैन अंसारी ने भी सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पूर्वांचल के गांव-गांव में फिर से काम और आत्मविश्वास लौटेगा।

सीईपीसी के चेयरमैन कैप्टन मुकेश गोम्बर ने कहा कि भारत - ईयू और भारत - यूके मुक्त व्यापार समझौतों से उद्योग को पहले ही कुछ राहत मिली थी, लेकिन भारत - अमेरिका समझौते ने वर्षों पुराने टैरिफ संकट पर निर्णायक प्रहार किया है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी बाजार में कालीनों पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाना भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को पूरी तरह बहाल करता है। इससे न सिर्फ निर्यातकों का आत्मविश्वास लौटा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खरीदार भी दोबारा भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। सीईपीसी के उपाध्यक्ष असलम महबूब ने कहा कि ऊंचे टैरिफ के कारण जो उद्योग ठहराव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था, वह अब नए वित्तीय वर्ष में उम्मीद और स्थिरता के साथ प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये व्यापार समझौते 2 अरब डॉलर के भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को नई गति देंगे और देशभर में इससे जुड़े लगभग 25 लाख कारीगरों की आजीविका को मजबूती प्रदान करेंगे। सीईपीसी की कार्यकारी निदेशक (प्रभारी) डॉ. स्मिता नागरकोटी ने बताया कि परिषद निर्यातकों और हितधारकों के लिए जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएगी, ताकि इंडिया - यूएस, इंडिया - यूके और इंडिया ईयू व्यापार समझौतों से जुड़ी प्रक्रियाओं, नियमों और अवसरों की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचे और कारीगर व छोटे निर्यातक भी इनका पूरा लाभ उठा सकें। सीईपीसी ने स्पष्ट किया कि परिषद सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी, ताकि टैरिफ संकट के अंधेरे से निकलकर भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग एक बार फिर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभा सके, और ह्लमेड इन इंडियाह्व कालीन दुनिया भर के बाजारों में अपनी चमक बिखेरते रहें।

## IGI ने किया AGL का अधिग्रहण, कलर्ड जेमस्टोन सर्टिफिकेशन के क्षेत्र में दुनिया भर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम

मुंबई। पूरी दुनिया में स्वतंत्र रूप से ग्रेडिंग एवं प्रमाणन सेवाएं उपलब्ध कराने वाले सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद संगठनों में से एक, इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड (IGI) ने आज अमेरिकन जेमोलॉजिकल लेबोरेटरीज (AGL) के अधिग्रहण की घोषणा की, जो रंगीन जेमस्टोन के विश्लेषण और उनके मूल स्रोत की जानकारी प्रदान करने में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। इस समझौते के माध्यम से दुनिया भर में फैले नेटवर्क और इंफ्रास्ट्रक्चर का मिलन रंगीन रत्नों के क्षेत्र में गहरी वैज्ञानिक जानकारी से हुआ है, और अब दोनों समूह साथ मिलकर पूरी दुनिया में रत्न एवं आभूषण उद्योग में प्रमाणन और भरोसे के मामले में सबसे आगे हो गया है। इस अधिग्रहण के बाद विश्व स्तर पर प्रमाणन का एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार हुआ है, जो IGI के इस उद्योग में बड़े पैमाने पर मौजूदगी, इंफ्रास्ट्रक्चर और बाजार तक पहुंच को रंगीन रत्नों में AGL की गहरी वैज्ञानिक विशेषज्ञता और नेतृत्वकर्ता के तौर पर अग्रणी स्थिति के साथ जोड़ता है। अब IGI और AGL साथ मिलकर पूरी दुनिया में रत्न एवं आभूषण उद्योग में बेहतर भरोसे, पारदर्शिता और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे, साथ ही अपनी उस वैज्ञानिक निष्पक्षता को भी कायम रखेंगे जिसके लिए वे दुनिया भर में जाने जाते हैं। इस मौके पर IGI के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ग्लोबल चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, तेहमास्प प्रिंटर ने कहा, यह इस उद्योग में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला कदम है। हमने रंगीन रत्नों के क्षेत्र में AGL की वैज्ञानिक विशेषज्ञता को IGI के पूरी दुनिया में मौजूद प्लेटफॉर्म के साथ जोड़कर, हम एक ऐसा सर्टिफिकेशन इकोसिस्टम बना कर रहे हैं, जो भविष्य के अनुरूप होने के साथ-साथ निष्पक्षता या वैज्ञानिक जांच से समझौता किए बिना बड़े पैमाने पर अपनी सेवाएं देने में सक्षम हो। दोनों संगठन साथ मिलकर, रत्न प्रमाणन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर भरोसे, पारदर्शिता और एकरूपता की एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

## ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड को Q3 FY 2025-26 में 663.60 करोड़ का राजस्व दर्ज

### साल-दर-साल 29% वृद्धि, एक तिमाही में सर्वाधिक 385 इलेक्ट्रिक वाहन डिलीवर

**हैदराबाद।** भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (OGL) ने 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ महीनों के समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। आज आयोजित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में इन परिणामों को मंजूरी दी गई।

तिमाही प्रदर्शन- Q3 FY 2025-26

* इलेक्ट्रिक वाहन डिलीवरी: 385 (Q3 FY 2024-25 में 282)। 37% वृद्धि
* राजस्व: 663.60 करोड़ (पिछले वर्ष 515.37 करोड़)। 29% वृद्धि
* EBITDA: 97.10 करोड़ (पिछले वर्ष 81.77 करोड़)। 19% वृद्धि
* कर पूर्व लाभ (PBT): 64.07 करोड़ (पिछले वर्ष 61.95 करोड़) ।3% वृद्धि
* कर पश्चात लाभ (PAT): 46.68 करोड़ (पिछले वर्ष 46.62 करोड़)।0.13% वृद्धि
* प्रति शेयर आय (EPS): 5.65 (पिछले वर्ष 5.64)` 0.18% वृद्धि

मुख्य विशेषताएं:

* कंपनी ने एक तिमाही में अब तक के सबसे अधिक 385 इलेक्ट्रिक वाहन डिलीवर किए।
* अधिक डिलीवरी और मजबूत ग्राहक मांग के कारण राजस्व में 29% की वृद्धि हुई।
* 97.10 करोड़ का एइक्ळऊअ कंपनी की परिचालन दक्षता, बढ़ते पैमाने को दशार्ता है।
* अब तक कुल 3,639 इलेक्ट्रिक वाहन डिलीवर किए जा चुके हैं।
* कंपनी के पास 9,439 इलेक्ट्रिक वाहनों का ऑर्डर बुक है।

9 महीनों का प्रदर्शन - 9M FY 2025-26

* राजस्व: 1,667.45 करोड़ (पिछले वर्ष 1,352.98 करोड़)। 23% वृद्धि
* EBITDA: 246.08 करोड़ (पिछले वर्ष 217.97 करोड़)। 13% वृद्धि
* कर पूर्व लाभ (PBT): 166.33 करोड़ (पिछले वर्ष 158.63 करोड़)।5% वृद्धि
* कर पश्चात लाभ (PAT): 122.14 करोड़ (पिछले वर्ष 118.52 करोड़)।3% वृद्धि

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेश बाबू ने इस मौके पर कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने एक तिमाही में अब तक की सबसे अधिक 385 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की है, जिनमें 24 इलेक्ट्रिक टिपर्स भी शामिल हैं। परिचालन दक्षता और अनुशासित कार्यान्वयन पर हमारा लगातार ध्यान राजस्व और लाभ में मजबूत वृद्धि का कारण बना है। हम अपने ब्लेड बैटरी पैक के प्रमाणन से विशेष रूप से उत्साहित हैं। यह भारतीय इलेक्ट्रिक बस सेगमेंट में अपनी तरह का पहला है। ब्लेड बैटरी तकनीक से लैस नई बसों का उत्पादन अगले तिमाही से शुरू होने वाला है। यह हमारी तकनीक-आधारित विकास रणनीति को और मजबूत करेगा। स्वच्छ, कुशल और टिकाऊ परिवहन समाधानों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में हम नवाचार, उत्कृष्ट क्रियान्वयन और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के परिवर्तन में हम अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

## मानसून से पहले प्रशासन की बड़ी तैयारी, पहाड़ी नालों पर शुरू होगा कार्य

बलरामपुर। जनपद में वर्षा के दौरान पहाड़ी नालों से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन के निर्देशन में प्रशासन द्वारा त्वरित, प्रभावी एवं दूरदर्शी पहल की जा रही है। इस क्रम में जनपद के 18 प्रमुख पहाड़ी नालों में सिल्ट सफाई का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है, ताकि वर्षा के समय कोई भी ग्राम अथवा सड़क प्रभावित न हो। बताते चलें कि विकास खंड हरैया सतघरवा अंतर्गत ग्राम बनघुसरी के निकट बहने वाले हेंगहा पहाड़ी नाले में सिल्ट जमा होने के कारण मुख्य स्ट्रीम में स्पिल बनने की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिससे ग्राम पहरुव्या, बनघुसरी सहित आसपास के ग्रामों में कटान एवं जल प्लावन की समस्या सामने आई थी। सिल्ट सफाई कार्य पूर्ण होने के पश्चात यह स्थिति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी और ग्रामवासियों को आवागमन एवं दैनिक गतिविधियों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। जिलाधिकारी के निर्देशन में प्रशासन एवं बाढ़ खंड द्वारा जनपद के सभी 18 चिन्हित महत्वपूर्ण पहाड़ी नालों की सिल्ट सफाई हेतु कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस पहल का उद्देश्य केवल तात्कालिक समस्या का समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक जल प्रबंधन एवं आपदा न्यूनीकरण सुनिश्चित करना है। वर्षा के समय जल निकासी सुचारु होगी,नालों की जल धारण एवं वहन क्षमता बढ़ेगी,जल ग्रामों में फैलने के बजाय सुरक्षित रूप से बाहर निकल सकेगा। अचानक आने वाली बाढ़ जैसी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकेगा। इससे विकास खंड हरैया सतघरवा के कई ग्राम वर्षा जनित आकस्मिक बाढ़ से सुरक्षित रहेंगे। हेंगहा नाले में सिल्ट सफाई कार्य हेतु टेंडर प्रक्रिया संचालित है। दिनांक 12 फरवरी को टेंडर खोले जाएंगे, जिसके तत्काल बाद सिल्ट सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रशासन द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि इसी प्रकार जनपद के अन्य चिन्हित पहाड़ी नालों में भी सिल्ट सफाई का कार्य चरणबद्ध रूप से कराया जाएगा, जिससे भविष्य में कटान, जल प्लावन एवं आवागमन बाधा की स्थिति उत्पन्न न हो। प्रशासन बाढ़ की पूर्व तैयारी, सतर्क दृष्टिकोण एवं ग्रामीण हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और प्राकृतिक जल प्रवाह को सुव्यवस्थित कर जनपद को सुरक्षित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

## गौशाला के निर्माण से गौ माता का होगा संरक्षण: विधायक

### विधायक रमेश सिंह ने शाहंगज नगर में अयोध्या मार्ग स्थित नव-निमार्णाधीन गौशाला का किया भूमि पूजन एवं शिलान्यास

शाहंगज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहंगज नगर में अयोध्या मार्ग स्थित नव-निमार्णाधीन गौशाला के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रमेश सिंह ने मंगलवार को विधिवत पूजा-अर्चना की। विधायक ने कहा कि गौशाला बन जाने से गौ माता का संरक्षण होगा। यह गौशाला नगर क्षेत्र में गौवंश संरक्षण एवं जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरक्षा की संकल्पना साकार होगी। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि गाय हमारी माता है इसलिए मां की रक्षा हम सभी लोगों की जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि परम धर्म एवं परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि गोवंश को अवैध बूचड़खाने में जाने से बचाने के लिए सभी लोगों को इन्हें गौशाला में भेजना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों ने गाय के लिए मां का दर्जा दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष रचना सिंह एवं प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी ने कहा कि नगर क्षेत्र में गौशाला का निर्माण अति आवश्यक था। इससे किसानों को होने वाली फसलों की हानि से छुटकारा मिलेगा। बताया कि छुट्टा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नपा प्रदीप गिरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष चिंताहरण शर्मा, धीरज पाटिल, हनुमंत प्रसाद, कमलेश कुमार अग्रहरि, विनय सिंह, सभासद किरण सोनी के प्रतिनिधि अमन कुमार सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत, दूसरा गम्भीर रूप घायल

-दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। बक्शा थाना क्षेत्र के ढेलापुर गांव स्थित हाईवे पर डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि इसी थाना क्षेत्र के कुल्हना मऊ गांव निवासी संदीप उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र पाखंडी नोना अपने चचेरे भाई विकास उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र विजय नोना के साथ मंगलवार शाम बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान ढेलापुर गांव के पास हाईवे पर डंपर वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए दोनों को स्थानीय लोगों द्वारा 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारी के सहयोग से जिला अस्पताल लाया गया। यहां पर चिकित्सकों ने देखकर संदीप को मृत घोषित कर दिया। जैसे ही यह खबर परिजनों को मिली एक कोहराम मच गया।

## साइड से आ रही ब्रेजा कार ने पिकअप को मारी टक्कर

-शुभम कुमार यादव

गौराबादशाहपुर, जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। थाना गौराबादशाहपुर क्षेत्र में मंगलवार समय लगभग 5 बजे गजना बजाज में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब गलत साइड से आ रही ब्रेजा कार ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी, बताया जा रहा है कि टक्कर इतना जोर था कि ब्रेजा कार की दोनों एयर बैग खुल गया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ जुट गई स्थानीय लोगों ने घायलों को पिकअप से निकालकर उपचार के लिए बगल के चिकित्सालय को भेजा गया। सूत्रों से पता चला हैं कि जौनपुर की तरफ ब्रेजा कार जिसका नंबर एम एच 48 सी सी 8091 हैं। गलता साइड से आ रही थीं और मुफ्तीगंज रामपुर की तरफ से पिकअप जिसका नम्बर यू.पी.65 एल टी 0148 हैं ,जो कि अपने साइड से आ रही थीं जिसमें माल लदा हुआ था।गजना बाजार के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पास गलत साइड से आ रही ब्रेजा कार ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी पिकअप में दो लोग थे और कार में केवल एक व्यक्ति था। जो कि बिल्कुल सुरक्षित बताया जा रहा है ।गौराबादशाहपुर पुलिस मौक पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई हैं।

## धूमधाम से मनाया गया रमेश पाण्डेय का जन्मदिन

मुंबई। भारत वैभव पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रमेश पाण्डेय का जन्मदिन अंधेरी स्थित पार्टी के प्रधान कार्यालय पर बड़े ही हर्षोल्लास धूमधाम से मनाया गया।

पार्टी कार्यालय पर कार्यालय प्रभारी दिव्यांशु मिश्रा ने पुष्पगुच्छ देकर संस्थापक रमेश पाण्डेय का स्वागत किए। उसके बाद उपस्थित पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र भेंट कर केक काट कर लम्बी उम्र की कामना की।

सम्मान समारोह में पार्टी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ महासचिव साहेब लाल शर्मा उर्फ आजाद, कार्यालय प्रभारी दिव्यांशु मिश्रा, राजू जायसवाल, राजदीप पठारे, अशोक शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें। उक्त जानकारी राष्ट्रीय सचिव अजय मिश्रा ने दी है।

## ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया ने मेक-ए-विश के साथ मिलकर बच्चों की इच्छाएँ पूरी कर उनके जीवन में खुशियाँ भरीं

मुंबई। ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया ने मेक-ए-विश इंडिया के साथ साझेदारी करते हुए ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के जीवन में खुशी के पल लाने की पहल की। अपनी सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) पहल के तहत, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया ने बच्चों की इच्छाएँ पूरी करने के लिए लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन और एक क्रिकेट सेट दान किए। ये उपहार ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री प्रेरणा उपाध्याय और OIEG के डायरेक्टर (ग्लोबल एडमिशंस) एरन गिबन्स द्वारा बच्चों को व्यक्तिगत रूप से सौंपे गए। इच्छा-उपहार प्राप्त करने के साथ-साथ बच्चों को ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया के मासिक रिदम एंड पल्स इंगेजमेंट प्रोग्राम का भी हिस्सा बनाया गया। कल्याण-केंद्रित इस पहल के तहत रिदम एंड पल्स संगीत, शारीरिक गतिविधि और माइंडफुलनेस को एक साथ लाकर आनंद, भावनात्मक सुकून और आपसी जुड़ाव के क्षण रचता है। यह कार्यक्रम इस विश्वास पर आधारित है कि संगीत मनोदशा को बेहतर बनाने, तनाव कम करने और साथ होने की भावना को मजबूत करने की शक्ति रखता है। मेलोबी स्कूल ऑफ म्यूज़िक के सहयोग से संचालित इन सत्रों में सरल तालबद्ध गतिविधियां, हल्की-फुल्की गतियाँ और संवादात्मक संगीत अनुभव शामिल होते हैं, जिनमें उम्र या क्षमता की परवाह किए बिना सभी स्वतंत्र रूप से भाग ले सकते हैं। रिदम एंड पल्स के माध्यम से ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया कार्यस्थल से आगे बढ़कर समग्र कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए सकारात्मकता, लचीलापन और साझा खुशी को बढ़ावा देने के रूप में आगे बढ़ता है।

इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया की एम्प्लॉयी एक्सपीरियंस पार्टनर सुश्री पूजा वसवानेय ने कहा, इस पहल का हिस्सा बनना ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल के हम सभी के लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। आज के हर पहलू का एक ही उद्देश्य था– बच्चों और उनके परिवारों को यह एहसास कराना कि वे समर्थित, सम्मानित और आशावान हैं। हम मेक-ए-विश के आभारी हैं, जिन्होंने इस अर्थपूर्ण साझेदारी के लिए हम पर विश्वास किया और बच्चों के लिए ऐसी यादें बनाने में हमें एक छोटा-सा योगदान देने का अवसर दिया, जो जीवन भर उनके साथ रहेंगी। कार्यक्रम में मेक-ए-विश इंडिया के सीईओ श्री ध्रुव पांडेय के प्रेरक संबोधन भी शामिल रहे, जिसमें उन्होंने फाउंडेशन की वैश्विक शुरूआत और भारत में इसके प्रभावशाली सफर पर प्रकाश डाला तथा बताया कि एक छोटी-सी इच्छा भी बच्चों और उनके परिवारों के लिए आशा और भावनात्मक शक्ति का स्रोत बन सकती है। वहीं, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मोहित गंभीर ने बच्चों के अदम्य साहस की सराहना करते हुए सार्थक सामाजिक पहलों के प्रति ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल की प्रतिबद्धता दोहराई।

## डॉ. मिकी मेहता बने 'अर्थ वन' के ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। पश्चिमी घाट के मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य और ५० एकड़ के भव्य परिसर वाले इगतपुरी स्थित 'अर्थ वन' नामक प्रीमियम गेटेड प्लॉटेड विकास परियोजना ने एक बड़ी घोषणा की है। भारत के सुप्रसिद्ध होलिस्टिक हेल्थगुरु डॉ. मिकी मेहता को इस परियोजना का 'होलिस्टिक लिविंग एंबेसडर' (समग्र जीवन शैली दूत) के रूप में आधिकारिक तौर पर चुना गया है। रियल एस्टेट क्षेत्र में केवल घरों या जमीन की बिक्री करने के पारंपरिक तरीके से हटकर, निवास स्थान मनुष्य के संपूर्ण कल्याण में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह विचार इस सहयोग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यूनाइटेड बिल्डर्स और ललित रूंगटा ग्रुप की रणनीतिक साझेदारी से साकार हुई यह परियोजना दारणा बांध के बैकवाटर्स (जलाशय) के पास है, और यहां निर्माण के लिए तैयार एनए (ठअ) प्लॉट्स उपलब्ध हैं। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए यूनाइटेड बिल्डर्स के साझेदार राजन दरयानी ने स्पष्ट किया कि, 'अर्थ वन' का उद्देश्य केवल जमीन बेचना नहीं है, बल्कि एक समृद्ध विरासत और समुदाय का निर्माण करना है। डॉ. मिकी मेहता का दर्शन हमारी इन विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, और इससे रियल एस्टेट क्षेत्र में एक स्थायी (शाश्वत) मूल्य का निर्माण होगा। इस नई भूमिका के बारे में डॉ. मिकी मेहता ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि, इगतपुरी की प्राकृतिक ऊर्जा, शुद्ध हवा और खुला आकाश शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए अत्यंत पोषक है। प्रकृति, आधुनिक डिजाइन और स्वास्थ्य का यह त्रिवेणी संगम लोगों के दैनिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया है। इस परियोजना का मुख्य आकर्षण 'अर्थ वन क्लब' सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल क्षेत्र का केंद्रबिंदु बनेगा। समृद्धि महामार्ग और घोटी-सिन्नर महामार्ग के समीप होने के कारण कनेक्टिविटी की दृष्टि से भी यह परियोजना निवेश के लिए सर्वोत्तम साबित हो रही है।

## विकास भवन के विभिन्न कार्यालयों का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर। जनपद में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी बनाए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा आज विकास भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी कार्यालय, उपायुक्त ग्राम्य विकास, एनआरएलएम, डीआरडीए, जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य संबंधित कार्यालयों में पहुंचकर कार्यों की समीक्षा की तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों की सेवा पुस्तिकाओं का अवलोकन किया और सभी विभागों को निर्देशित किया कि सेवा पुस्तिकाएं शीघ्र अद्यतन कराई जाएं, जिससे कार्मिकों से जुड़े अभिलेख पूर्णतः सही व अद्यतन रहें। जिला विकास अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी एवं गुणवत्तापरक बनाया जाए तथा प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही डीएम ने कार्यालय में रिक्त 02 एपीओ पदों की भर्ती प्रक्रिया पर जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि भर्ती का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और सभी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी ब्लॉक रिक्त न रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मियों के भुगतान की स्थिति की जांच की। निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि कंपनी द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मियों को पूर्ण भुगतान नहीं किया जा रहा, तथा 18 प्रतिशत जीएसटी के नाम पर कर्मचारियों के वेतन से कटौती की जा रही है। जिलाधिकारी ने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 04 सदस्यीय जांच टीम गठित कर प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि जांच में अनुचित/गलत कटौती की पुष्टि होती है, तो संबंधित कंपनी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभागों के कर्मचारियों के पास आईडी कार्ड होना अनिवार्य है। बिना पहचान पत्र के कार्यालय में कार्य करने की स्थिति न हो तथा सभी कार्यालयों में स्टाफ की पहचान एवं अनुशासन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विकास भवन परिसर में समुचित साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयों, बरामदों, सीढ़ियों, शौचालयों तथा परिसर के सभी सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई, कूड़ा निस्तारण एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि आमजन को सुविधाजनक एवं स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालयों में अभिलेख व्यवस्था एवं संसाधनों के उपयोग की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी कार्यालयों में पुरानी/अनुपयोगी पत्रावलियों को नियमानुसार बीड आउट कराते हुए अलमारियों का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

## निमार्णाधीन मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय का डीएम ने किया गहन निरीक्षण

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में विकसित हो रहे निमार्णाधीन मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय का जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन द्वारा विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए, ताकि जनपद को शीघ्र एक आधुनिक उच्च शिक्षण संस्थान की सौगात मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में अपेक्षित गति न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए श्रमिकों की संख्या तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे विभिन्न भवनों, आंतरिक संरचनाओं एवं सहायक सुविधाओं का कार्य एक साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित विद्युत सब-स्टेशन निर्माण कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने फिनिशिंग कार्यों–जैसे आंतरिक फर्श, प्लास्टर, पेंटिंग, विद्युत फिटिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं–में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

## रेडिएशन थेरेपी में कैंसर अस्पताल बना भरोसे का केंद्र

### * एमपीएमएमसीसी व एचबीसीएच में 30 प्रतिशत अधिक मरीजों को मिला उपचार,
### * छह आधुनिक मशीनों से रोजाना 350 कैंसर मरीजों की थैरेपी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्वांचल ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और आसपास के पड़ोसी राज्यों के कैंसर मरीजों के लिए काशी अब उम्मीद और आधुनिक चिकित्सा का बड़ा केंद्र बनकर उभर रही है। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी) और होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी में रेडिएशन थेरेपी की सुविधाओं में निरंतर विस्तार का सीधा लाभ मरीजों को मिल रहा है। यही वजह है कि वर्ष 2025 में इन दोनों संस्थानों में 2024 की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक मरीजों को रेडिएशन थेरेपी दी गई। विश्व कैंसर दिवस (4 फरवरी) के अवसर पर जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों अस्पतालों में वर्तमान में कुल छह अत्याधुनिक रेडिएशन मशीनें कार्यरत हैं, जिनकी मदद से प्रतिदिन औसतन 350 मरीजों को रेडिएशन उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। बीते वर्ष तीन नई मशीनों की स्थापना के बाद उपचार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा और इलाज समय पर संभव हो पा रहा है। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. आशुतोष मुखर्जी के अनुसार, अस्पताल आने वाले करीब 60 से 65 प्रतिशत मरीजों को इलाज के किसी न किसी चरण में रेडियोथेरेपी की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि जब वर्ष 2018 में अस्पताल की शुरूआत हुई थी, तब केवल 532 मरीजों को रेडिएशन थेरेपी दी जा सकी थी। वहीं, वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 4,735 तक पहुंच गई, जो सुविधाओं के विस्तार और मरीजों के बढ़ते भरोसे को दशार्ता है। डॉ. मुखर्जी ने बताया कि शुरूआती वर्षों में अस्पताल में सिर्फ एक रेडिएशन मशीन उपलब्ध थी, जबकि आज एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच को मिलाकर कुल छह आधुनिक मशीनें मरीजों की सेवा में लगी हैं। इससे न केवल इलाज की गति बढ़ी है, बल्कि गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। रेडिएशन थेरेपी लेने वाले मरीजों में लगभग 25 प्रतिशत मरीज मुख कैंसर से पीड़ित हैं, जिसका मुख्य कारण तंबाकू और इससे जुड़े उत्पादों का सेवन है। इसके बाद स्तन कैंसर के मरीजों की संख्या दूसरे स्थान पर है। एक मरीज को रेडिएशन थेरेपी का पूरा कोर्स करने में औसतन 35 दिन का समय लगता है, हालांकि मरीज की स्थिति और बीमारी की गंभीरता के अनुसार यह अवधि घट-बढ़ सकती है। रेडिएशन विभाग के चिकित्सक डॉ. संबित स्वरूप नंदा ने बताया कि अस्पताल में अत्याधुनिक तकनीक से लैस मशीनें उपलब्ध हैं। सांस के साथ समन्वय कर रेडिएशन देना, त्वचा संबंधी कैंसर में विशेष तकनीक का उपयोग जैसी सुविधाएं यहां मौजूद हैं। हर मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार योजना तैयार की जाती है, जिससे इलाज अधिक प्रभावी बन सके। अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान ने बताया कि पिछले वर्ष शुरू की गई तीन नई रेडिएशन मशीनों में से दो का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य है कि प्रत्येक कैंसर मरीज को समय पर, निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए भविष्य में भी सुविधाओं के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनियाभर में लगभग 20 मिलियन कैंसर के नए मामले सामने आए, जबकि 9.7 मिलियन लोगों की मौत इस बीमारी से हुई। ऐसे में समय पर जांच, प्रारंभिक अवस्था में पहचान और आधुनिक उपचार सुविधाएं ही कैंसर से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार हैं। काशी के ये दोनों संस्थान इसी दिशा में एक मजबूत कदम बनकर उभरे हैं।